लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

बुधवार, 27 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 47
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

आईना होती है यह जिंदगी, तू मुस्कुरा, वो भी मुस्कुरा देगी!

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

'पैसा किसी का, पसीना हमारा...' पीएम मोदी ने दुनिया को दिखाई मेक इन इंडिया की ताकत, बता दिया विन-विन फॉर्मूला

'यहां स्वदेशी बिकता है' ...पीएम मोदी की अपील

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में 'स्वदेशी' को बढ़ावा देने की नई अपील की है. उन्होंने व्यापारियों से दुकानों के बाहर 'यहां स्वदेशी बिकता है' का बोर्ड लगाने और लोगों से भारतीय उत्पाद खरीदने का आग्रह किया है। यह कदम 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों की कड़ी के बाद आया है, जो पिछले 11 सालों से आत्मनिर्भर भारत का नारा बुलंद कर रहे हैं।

''आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है. ऐसे समय में कोई भी राज्य पीछे नहीं रहना चाहिए। हर राज्य को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। हिंदुस्तान आने वाले निवेशकों को इतना कन्फ्यूजन होना चाहिए कि वे सोचें, मैं इस राज्य में जाऊं या उस राज्य में। मैं सभी राज्यों को निमंत्रण देता हूं, आइए, रिफॉर्म्स की स्पर्धा करें, प्रो डेवलपमेंट पॉलिसी की स्पर्धा करें। ''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

'स्वदेशी' की नई अपील

पीएम मोदी की ताजा अपील त्योहारी सीजन को ध्यान में रखकर आई है। नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस और दिवाली जैसे मौकों पर लोग जमकर खरीदारी करते हैं। मोदी चाहते हैं कि लोग विदेशी सामान की जगह भारतीय उत्पाद चुनें। दुकानदारों से 'स्वदेशी' बोर्ड लगाने की बात इसलिए कही गई है ताकि ग्राहकों में भारतीय सामान के प्रति भरोसा बढ़े। यह कदम अमेरिका के बढ़ते टैरिफ के खिलाफ भारत की रणनीति का हिस्सा है, जो भारतीय निर्यात को नुकसान पहुंचा सकता है।

'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' का सफर

2014 में शुरू हुआ 'मेक इन इंडिया' अभियान भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की कोशिश थी. मोबाइल, फार्मा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में इसने अच्छे नतीजे दिए। उदाहरण के लिए, भारत अब दुनिया के टॉप मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग देशों में शामिल है। वहीं, 2020 में 'वोकल फॉर लोकल' ने स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया, खासकर कोविड महामारी के दौरान। इन अभियानों से निर्यात बढ़ा और आयात पर निर्भरता कुछ कम हुई। लेकिन विपक्ष का कहना है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरियां और निवेश उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़े।

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के हंसलपुर में स्थित सुजुकी मोटर प्लांट में बने पहले बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) 'ई-विटारा' को मंगलवार को झंडी दिखाई. यह ईवी दुनिया के 100 देशों में निर्यात किया जाएगा। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसमें मेड इन इंडिया लिखा होगा। इसके साथ ही उन्होंने मेड इन इंडिया की परिभाषा स्पष्ट करते हुए दुनियाभर की कंपनियों को भारत में निवेश का न्योता दिया।

दरअसल गुजरात स्थित टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी प्लांट जापानी कंपनी तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का एक संयुक्त उद्यम है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके को भारत-जापान मैत्री और 'मेक इन इंडिया' की ताकत का प्रतीक बताते हुए कहा, 'पैसा किसका लगता है, उससे मुझे लेना देना नहीं है, करेंसी काली है या गोरी है... प्रोडक्शन में पसीना मेरे देशवासियों का होगा। पैसा किसी का पसीना हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उसमें महक मेरे मिट्टी की होगी। '

100 देशों में भेजी जाएगी ई विटारा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की मेक इन इंडिया यात्रा अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य की ओर एक बड़ी छलांग लगा रही है। उन्होंने बताया कि भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहन अब 100 देशों को निर्यात किए जाएंगे। यह सिर्फ तकनीकी उपलब्धि ही नहीं, बल्कि भारत के श्रमिकों, इंजीनियरों और उद्यमियों की मेहनत और सामर्थ्य का परिणाम है।

पीएम ने कहा कि भारत और जापान का रिश्ता 'मेड फॉर ईच अदर' है। उन्होंने याद दिलाया कि जब वे 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब हंसलपुर में मारुति को जमीन दी गई थी। आज वही विजन आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में मजबूत स्तंभ बन रहा है। उन्होंने मारुति की प्रगति को किशोरावस्था से तुलना करते हुए कहा कि 'तेरह वर्ष की आयु पंख फैलाने और सपनों की उड़ान का कालखंड होती है। आज मारुति किशोरावस्था में प्रवेश कर रही है और यह ऊर्जा और नए उत्साह का संकेत है। '

दुनिया के लिए विन-विन स्थिति

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि लोकतंत्र की शक्ति और कुशल कार्यबल की वजह से भारत दुनिया के लिए 'विन-विन' स्थिति पैदा कर रहा है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि आज जापानी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और यहां बनी गाड़ियां जापान को निर्यात हो रही हैं। यह न केवल भारत-जापान के रिश्तों की मजबूती का प्रमाण है बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत पर बढ़ते भरोसे का भी संकेत है।

गणेश उत्सव के उल्लास के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश के अलग-अलग हिस्सों में 1200 से अधिक खोजी अभियान चलाकर क्रिटिकल मिनरल्स की खोज की जाएगी। उन्होंने सभी राज्यों से अपील की कि वे विकास की इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी करें और हर छोटी-से-छोटी बारीकी को अवसर मानकर आगे बढ़ें। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि '2047 में हम विकसित भारत बनाकर रहेंगे। आने वाली पीढ़ियां आपके त्याग और मेहनत पर गर्व करेंगी। आत्मनिर्भर भारत का यह मंत्र सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे देशवासियों का सामूहिक संकल्प है। '

बॉर्डर से 30 किमी तक के दायरे में सभी अतिक्रमण हटेंगे, बढ़ेगी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीमांत गांवों में दूरसंचार, सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम 'वीवीपी' को सरकारी प्रोग्राम नहीं, प्रशासन की स्पिरिट बनाना है। गृह मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य तभी प्राप्त हो सकेगा, जब यह प्रशासन की स्पिरिट बनेगा। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम में मनरेगा के तहत कुछ नए तालाब बनाने, सघन वृक्षारोपण और स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए। सीमा से कम से कम 30 किलोमीटर तक के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। गुजरात ने इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है, वहां समुद्री और भू सीमा से ढेर सारे अतिक्रमण हटाए गए हैं। गृह मंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही है। शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-1 में हम कार्यक्रम तक सीमित रहे, लेकिन वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 में हमें प्रशासन का दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। उन्होंने सीमावर्ती जिलों के कलेक्टरों से कहा कि वे अवैध धार्मिक अतिक्रमण को हटाने की दिशा में उचित कार्रवाई करें। ये अतिक्रमण एक सुनिश्चित डिजाइन के तहत हो रहे हैं। सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम का विचार तीन बिंदुओं पर आधारित है, जिनमें सीमांत गांवों से पलायन रोकना, सीमांत गांवों के हर नागरिक को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना है। वीवीपी में चिह्नित गांवों को सीमा और देश की सुरक्षा के लिए एक उपकरण बनाना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के विचार को सामने रखा था, तब यह तय हुआ था कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। न केवल हर सीमांत गाँव को सभी सुविधाओं से युक्त बनाया जाएग, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लैस करके उनके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जाए। साथ ही इन गांवों को देश और सीमा की सुरक्षा के मजबूत उपकरण के तौर पर विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अंतिम गाँव को देश के पहले गाँव की उपाधि देकर सीमावर्ती गांवों को देखने का हमारा नजरिया बदलने का काम किया। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के लिए चिह्नित किए गए देश के पहले गाँव कुछ साल बाद हमारे देश और उसकी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होंगे।

संक्षेप

सरकार आवाज दबाना चाहती है, सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाए। उन्होंने एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार आवाज को दबाना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर लिखा, सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड सरकार की ओर से एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है। जिस तरह 'आप को टारगेट किया जा रहा है, ऐसे इतिहास में किसी पार्टी को नहीं किया गया। उन्होंने आगे लिखा, इसलिए टारगेट किया जा रहा है, क्योंकि सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्ट कामों के खिलाफ सबसे मुखर आवाज आम आदमी पार्टी की है। सरकार हमारी आवाज दबाना चाहती है। ये कभी नहीं होगा। आम आदमी पार्टी, बीजेपी के इन छापों से डरने वाली नहीं। हम हमेशा की तरह देश हित में गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा, सोमवार को पूरे देश ने प्रधानमंत्री की डिग्री पर सवाल उठाया। जब डिग्री का सच सामने आया तो ध्यान भटकाने के लिए सौरभ भारद्वाज पर ईडी की रेड कराई जा रही है। सवाल साफ था कि क्या प्रधानमंत्री की डिग्री फर्जी है? लेकिन उस सवाल का जवाब देने की हिम्मत नहीं पड़ी, इसलिए आम आदमी पार्टी के नेताओं पर रेड डाल दी गई।

कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध, सुप्रीम कोर्ट के एसआईटी गठन पर वंतारा का बयान

नईदिल्ली। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने एसआईटी गठन का आदेश दिया और एसआईटी को 12 सितंबर तक जांच रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट अब 15 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा। रिलायंस फाउंडेशन के वंतारा ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर पर जानवरों से दुर्व्यवहार, उनकी खरीद में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया। इसे लेकर वंतारा का बयान सामने आया है। वंतारा ने कहा है कि वे कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं। वंतारा ने कहा कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे और साथ ही भविष्य में भी जानवरों के बचाव और उनके पुनर्वास के लिए काम करते रहेंगे। वंतारा ने बयान में कहा हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरा सम्मान करते हैं। वंतारा पारदर्शिता, सहयोग और कानून के पालन के प्रति समर्पित है। वंतारा ने कहा कि हमारा मिशन जानवरों का बचाव और उनका पुनर्वास है। हम एसआईटी की जांच में पूरा सहयोग करेंगे और आगे भी पूरी गंभीरता से काम करेंगे। हमारी अपील है कि पूरी जांच बिना किसी चर्चा के और जानवरों के हितों को ध्यान में रखकर हो।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटने से आई बाढ़, 10 से अधिक घरों को नुकसान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में बारिश के बीच मंगलवार को डोडा जिले में बादल फटने की खबर सामने आई है। यहां बादल फटने के बाद आई बाढ़ में 10 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, चिनाब नदी बेसिन में बारिश की वजह से कलनई नदी और तवी नदी सुबह से ही उफान पर है। जिले के होंडा थात्री, गंडोह और भलेसा क्षेत्र में बाढ़ की सूचना मिल रही है। अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, कठुआ जिले में सोमवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे में 155.6 मिमी बारिश हुई है। इसके बाद डोडा के भद्रवाह में 99.8 मिमी, जम्मू में 81.5 मिमी और कटरा में 68.8 मिमी बारिश हुई है। जिले के उपजिलाधिकारी अरुण कुमार बाद्या ने बताया कि पिछले 72 घंटों से लगातार हो रही बारिश के कारण कुछ घरों में दरारें आ गई हैं और लगभग 4-5 घर खतरे में हैं। वे रहने लायक नहीं हैं।

बारिश और भूस्खलन की वजह से रामबन में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर यातायात बाधित है और कटरा-शिवखोड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग की ओर से 27 अगस्त तक ऊंचाई वाले इलाकों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में बचाव और राहत टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। खतरे वाले इलाकों को खाली करा दिया गया है।

भारत में दुष्कर्म के बाद हत्या से 25 गुना अधिक हुई दहेज हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पति और ससुराल वालों द्वारा दहेज के लिए एक 28 वर्षीय महिला की जलाकर हत्या किए जाने की घटना ने पूरे देश को झकझौंर दिया है। इससे सभी का ध्यान विवाहित महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा पर आ गया है। बता दें कि देश में दुष्कर्म के बाद होने वाली हत्या की तुलना में 25 गुना अधिक दहेज हत्या होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों में यह खुलासा हुआ है।

एनसीआरबी डाटा के अनुसार, भारत में 2022 में भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी के तहत दहेज के लिए 6,516 हत्याएं दर्ज की गई थीं। यह संख्या उसी साल दुष्कर्म या गैंगरेप के बाद की गई 250 महिलाओं हत्या से 25 गुना अधिक है। चौंकाने वाली बात है कि दहेज उत्पीड़न के मामलों में कुल 13,641 महिलाएं पीड़ति थी। इससे साफ है कि उस साल दहेज के लिए प्रताड़ति हर 3 में से एक महिला की हत्या कर दी गई। डाटा के अनुसार, देश में दहेज हत्या के मामले में न्याय प्रक्रिया भी धीमी है। साल 2022 में देश में दहेज हत्या के 60,577 मामले अदालतों में लंबित थे, जिनमें से 54,416 पिछले वर्षों से चले आ रहे थे। इसी तरह 2022 में अदालतों ने सुनवाई के लिए भेजे गए 6,161 मामलों में से 3,689 मामलों में सुनवाई पूरी की, लेकिन 99 मामलों में ही आरोप सिद्ध हो पाए। यानी एक वर्ष में दोषसिद्धि की संभावना 2 प्रतिशत ही रही। 'भारत में मानव विकासः परिवर्तनकालीन समाज के लिए चुनौतियां' (2010) पुस्तक में दिए गए भारत मानव विकास सर्वेक्षण के अनुसार, देश में दहेज की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है। दुल्हन के परिवार को दूल्हे की तुलना में शादियों पर 1.5 गुना अधिक खर्च करना पड़ता है। 24 प्रतिशत परिवार दहेज के रूप में टीवी, रेफ्रिजरेटर, कार या मोटरसाइकिल जैसी उपभोक्ता वस्तुएं देते हैं और 29 प्रतिशत के साथ देहज न देने पर मारपीट होना आम बात है।

2019-21 का राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) घरेलू हिंसा के व्यापक संदर्भ को और उजागर करता है। सर्वेक्षण के अनुसार, 18-49 आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में से 29 प्रतिशत ने अपने पतियों से शारीरिक या यौन हिंसा झेली। इनमें से 3.3 प्रतिशत महिलाओं को गंभीर रूप से जलाया गया, 7.3 प्रतिशत को आंखों में चोट, मोच या मामूली जलन हुई, 6.2 प्रतिशत गहरे घाव, हड्डियां या दांत टूटने से जूझी और 21.8 प्रतिशत ने अन्य शारीरिक पीड़ा झेली।

दुश्मन देश की हर चाल होगी फेल! सीडीएस का महामंत्र- 'सुदर्शन चक्र' बनेगा भारत का अभेद्य कवच, लोकिन तीनों सेनाओं का तालमेल जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन उन्होंने इसे शांतिवाद समझने की भूल न करने की चेतावनी देते हुए कहा, 'शक्ति के बिना शांति काल्पनिक है।' महू के आर्मी वॉर कॉलेज में दो दिवसीय 'रण संवाद' सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान को परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया, ऑपरेशन सिंदूर, 'अभी भी जारी है'। उन्होंने सम्मेलन में कहा, 'भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन गलतफहमी में न रहें, हम शांतिवादी नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि शक्ति के बिना शांति काल्पनिक है। मैं एक लैटिन उद्धरण कहना चाहूँगा जिसका अनुवाद है, 'यदि आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें'।' प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि सुदर्शन चक्र वायु रक्षा प्रणाली के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचे का विकास करना होगा, जिसमें मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों जैसी प्रमुख त्रि-सेवा सैन्य परिसंपत्तियों की एक श्रृंखला शामिल होगी ताकि एक अभेद्य सामरिक कवच बनाया जा सके। जनरल चौहान ने यहां 'आर्मी वॉर कॉलेज' में आयोजित रण संवाद सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस परियोजना के लिए ''राष्ट्र-स्तरीय समग्र दृष्टिकोण'' अपनाने की आवश्यकता होगी।

स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली

उन्होंने संकेत दिया कि यह प्रणाली इजराइल की हर मौसम में काम करने वाली उस वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम की तर्ज पर होगी जिसे एक प्रभावी मिसाइल शील्ड या मिसाइल रोधक के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर इस स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली को विकसित किए जाने की परियोजना की घोषणा की थी।

इसका उद्देश्य भारत के महत्वपूर्ण सैन्य एवं असैन्य प्रतिष्ठानों की रक्षा करना और दुश्मन की किसी भी धमकी का निर्णायक जवाब देना है। यह घोषणा पाकिस्तान और चीन से उत्पन्न हो रही सुरक्षा चुनौतियों की पृष्ठभूमि में की गई थी। सीडीएस चौहान ने कहा कि इस परियोजना के तहत सेना को जमीन, वायु, समुद्री, पनडुब्बी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) तंत्र को एकीकृत करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''तीनों सेनाओं द्वारा विभिन्न प्रणालियों को एकीकृत करने में अत्यधिक प्रयासों की आवश्यकता होगी। इस परियोजना में व्यापक एकीकरण के साथ-साथ और कई क्षेत्रों को नेटवर्क से जोड़ना होगा ताकि सटीक स्थिति का आकलन संभव हो सके।'' सीडीएस ने यह भी संकेत दिया कि 'सुदर्शन चक्र' परियोजना में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत कंप्यूटेशन, आंकड़ों के विश्लेषक, गहन आंकड़े और क्वांटम प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने कथित रूप से यह संकेत दिया था कि भारत-पाकिस्तान के बीच भविष्य में किसी सैन्य टकराव की स्थिति में पाकिस्तान भारत की सीमावर्ती परिसंपत्तियों कोनिशाना बना सकता है जिनमें गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस रिफाइनरी भी शामिल है,। यह परियोजना 2035 तक लागू किए जाने की योजना है। रण संवाद सम्मेलन में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने त्रि-सेवा एकीकरण की आवश्यकता पर भी बल दिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय इस सम्मेलन के समापन दिवस पर मुख्य संबोधन देंगे।

खेत में खून ही खून... दसवीं के छात्र की गला काट कर हत्या, पास ही पड़ा था ये सामान, बचने को किया खूब संघर्ष

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौसी (संभल)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां कोतवाली इलाके के गांव कैथल में दसवीं के छात्र सुमित (15) की धान के खेत में गला रेत कर हत्या कर दी गई। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

परिजन किसी प्रकार की रंजिश से इनकार कर रहे हैं। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर नमूने लिए हैं। पुलिस ने शव कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव कैथल निवासी सुमित पुत्र नरेश कोरी चंदौसी इंटर कॉलेज में कक्षा 10 का छात्र था। उसके पिता और मां सावित्री की 15 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है।

बड़ा भाई अमित देहरादून में मजदूरी करता है। सुमित गांव में अपनी दोनों बहन नीतू और पूजा के साथ रहता था। चाचा प्यारे देखरेख करते हैं। चाचा ने बताया कि सोमवार की रात आठ बजे करीब सुमित खाना खाकर घर से निकला था। इसके बाद वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो गांव में उसकी तलाश शुरू की।

घर से 200 मीटर की दूरी पर खेत में मिली लाश

सुमित का कहीं कोई अता पता नहीं लग सका। मंगलवार की सुबह नौ बजे करीब घर से 200 मीटर की दूरी पर गांव के ही कल्लू के धान के खेत में सुमित का शव खून से लथपथ पड़ा मिला। खेतों पर गए ग्रामीणों की नजर पड़ी तो भीड़ लग गई।

पास ही पड़ी थीं चप्पल

सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन की। छात्र का गला कटा हुआ था। पास ही चप्पल पड़ी थीं और खून का बिखरा था। बराबर वाले खाली खेत में खून से सना मेडिकल गिलब्स पड़ा था।

हत्यारों से बचने के लिए सुमित काफी संघर्ष किया था

इससे स्पष्ट है कि हत्या खेत में ही की गई और हत्यारों से बचने के लिए सुमित काफी संघर्ष किया था। वहीं मृतक के चाचा प्यारे और ग्रामीणों के अनुसार सुमित सीधा था। उसका किसी से झगड़ा भी नहीं हुआ। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने मौके पर पहुंच कर जानकारी ली है। पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पंच प्रण की शपथ एक सितंबर को : संतोष सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ब्लॉक इकाई लंभुआ अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह से 'हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान' कार्यक्रम जो अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले पूरे भारतवर्ष में एक साथ पांच लाख विद्यालयों में एक सितंबर को विद्यालय प्रार्थना सभा में 'पंच प्रण' की शपथ के सफल आयोजन के लिया मिला। पंच प्रण के अंतर्गत आने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए संतोष सिंह ने कहा कि हम मिलकर अपने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित, हरित तथा प्रेरणास्पद बनाए रखेंगे तथा विद्यालय की सम्पदा संसाधन तथा समय को साधन मानते हुए उनका संरक्षण और विवेक पूर्वक उपयोग करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि हम विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाएंगे, जहां कोई भेदभाव नहीं होगा तथा हम सभी समभाव से सीखने और सिखाने के पथ पर अग्रसर रहेंगे। शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं अपितु चरित्र निर्माण आत्मविकास और समाज सेवा का साधन मानकर कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम इस विद्यालय को केवल एक संस्था नहीं अपितु संस्कार, सेवा और समर्पण का तीर्थ मानते हुए उसका गौरव बढ़ाने हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह नें कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यालय, छात्रों और शिक्षकों सभी के लिए लाभकारी है। ऐसी भावना सभी को रखना चाहिए तभी हम निपुण लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। संतोष सिंह ने अपने ब्लॉक के समस्त शिक्षक साथियों से इस कार्यक्रम को अपने अपने विद्यालय मे आयोजित कराने के लिए विनम्रता पूर्वक आग्रह किया ।

स्वदेशी जागरण मंच का उद्यमिता सम्मेलन आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रविवार को भुवनेश्वरी प्रताप इंटरमीडिएट कॉलेज, कुड़वार में भव्य उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार, स्टार्टअप और उद्यमिता की ओर प्रेरित करना तथा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना रहा।

इस सम्मेलन का आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के विभाग सह संयोजक राजीव तिवारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, उद्यमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विभाग संयोजक धर्मेंद्र द्विवेदी ने कहा कि स्वदेशी सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए उद्यमिता अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि 17वीं शताब्दी तक भारत का विश्व व्यापार में 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। लेकिन विदेशी वस्तुओं के अत्यधिक प्रयोग ने भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि भारत को फिर से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है तो हर युवा को रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनना होगा। इसके लिए उद्यमिता सबसे बड़ा हथियार है। उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन के जरिए स्वदेशी जागरण मंच जिलों में स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है इसमें जनसंपर्क, सेमिनार, गोष्टी, नुक्कड़ नाटक एवं स्वदेशी विदेशी वस्तुओं के पत्रक वितरित कर जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी निर्मित वस्तुओं की जानकारी दी जाएगी और आयातित वस्तुओं के प्रति जागरूक किया जाएगा जिससे लोकल फॉर वोकल के विजन को साकार किया जा सके तथा (ट्रंप) अमेरिका जैसे देशों के टैरिफ से लड़ने के लिए घरेलू खपत को बढ़ावा भी देना जरूरी है इसके जरिए हर घर स्वदेशी हर युवा उद्यमी बनना जरूरी है यह अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और देश को मजबूत करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती उपमा शर्मा ने युवाओं से जैविक खेती, डेयरी उद्योग, कुटीर उद्योग और आधुनिक स्टार्टअप की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी हर किसी को नहीं मिल सकती, लेकिन मेहनत और लगन से किया गया व्यवसाय न केवल व्यक्ति बल्कि समाज और देश को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज प्राचार्य डॉ. तारा सिंह ने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थी भविष्य के कर्णधार हैं। उन्हें नौकरी की दौड़ में उलझने के बजाय उद्यमिता की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने स्वदेशी जागरण मंच के इस अभियान को ऐतिहासिक बताया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विभाग सह संयोजक राजीव तिवारी ने उपस्थित सभी लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की शपथ दिलाई। साथ ही विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाकर स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में युवा प्रमुख अमन त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों के बीच स्वदेशी और विदेशी वस्तुओं की सूची का वितरण किया।

सुभारती पत्रकारिता विभाग में क्लासरूम से न्यूज़रुम तक विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

मेरठ। गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा क्लासरूम से न्यूज़रूम तकः संवाद कौशल की शक्ति विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज़ी भारत की वरिष्ठ न्यूज़ एंकर प्रियंका कर्णवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मीडिया क्षेत्र में आठ वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली प्रियंका कर्णवाल ने छात्रों के साथ अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए।

सत्र के दौरान उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संवाद कौशल केवल बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम स्वयं को किस प्रकार प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण, सही व्यवहार और स्पष्ट उद्देश्य—इन तीनों के समन्वय से प्रभावी संवाद संभव हो पाता है।

अंतिम संस्कार के ना थे पैसे, 3 दिन तक सड़ा शव, मदद न मिली तो ठेले पर लाश .., मुस्लिम भाइयों ने पेश की मिसाल

आर्यावर्त संवाददाता

महराजगंज। महराजगंज के नौतनवा के नगर के राजेंद्रनगर वार्ड में तीन दिन तक एक अधेड़ की लाश घर में इसलिए सड़ती रही कि उसके दो मासूम बच्चों के पास अंतिम संस्कार के पैसे नहीं थे।

तीन दिन तक वे पिता की सड़ती लाश के साथ रात-दिन गुजारते रहे। जब सबने मुंह फेर लिया और मदद की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं तो 14 और 10 साल के दोनों बेटों ने पिता की लाश को नदी में प्रवाहित करने का फैसला किया।

रविवार दोपहर ठेले पर शव रखकर नदी की ओर ले जाते समय रास्ते में मिले पड़ोस के वार्ड के एक सभासद और एक सभासद प्रतिनिधि ने मदद का हाथ बढ़ाया और शव का अंतिम संस्कार कराया।

राजेंद्र नगर वार्ड में रेलवे ढाला के पास लव कुमार पटवा (50) का घर है। उसके एक बेटी समेत तीन

बच्चे हैं। बेटी अपनी दादी के साथ पड़ोस के वार्ड में रहती है, जबकि दोनों बेटे राजवीर (14) व देवराज (10) पिता के साथ रहते थे। राजवीर ने बताया कि मां की एक साल पहले ही मौत हो चुकी है।

शुक्रवार दोपहर में हुई मौत

पिता फेरी लगाकर चूड़ी आदि सामान बेचते थे और उसी कमाई से तीनों का पालन पोषण करते। कुछ दिन से उनकी तबीयत खराब थी। इस कारण वह काम पर नहीं जा रहे थे। इसी बीच शुक्रवार दोपहर में उनकी मौत हो गई। उन्होंने आस पड़ोस के लोगों और बगल के वार्ड में रहने वाली दादी को सूचना दी।

बच्चे समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें

बेटे की मौत की खबर सुनकर मां आई तो पर दुख जताकर वापस चली गई। पड़ोस वाले भी बच्चों के प्रति सांत्वना जताकर वापस अपनी दिनचर्या में लग गए। उधर, आर्थिक तंगी से जूझ रहे बच्चे यह सब देखकर स्तब्ध थे। वे समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें।

सड़ती जा रही थी लाश...बदबू से घर में रहना मुश्किल

बच्चे घर में पिता की लाश के साथ दिन-रात गुजार रहे थे। यह सोचते हुए कि कैसे पिता की लाश का अंतिम संस्कार करें। लाश सड़ती जा रही थी और दुर्गंध से घर में रहना मुश्किल हो रहा था। तब बच्चों ने शव को पास की डंडा नदी में प्रवाहित करने का फैसला किया।

रविवार दोपहर में कहीं से ठेले का जुगाड़ किया और पिता के शव को कपड़े में लपेटकर नदी में प्रवाहित करने चल दिए। राजवीर ने बताया कि रास्ते में कई लोगों ने उन्हें देखा पर सिर्फ आंखों से दुख जताकर आगे बढ़ जाते। इसी दौरान छपवा तिराहे पर समाजसेवी और वार्ड नंबर दो बिस्मिलनगर के सभासद प्रत्याशी राशिद कुरैशी ने बच्चों को ठेले पर पिता की लाश ले जाते देखा तो उन्हें रोका। उनकी बात सुनकर द्रवित राशिद ने वार्ड नंबर 17 राहुल नगर के सभासद अपने बड़े भाई वारिस कुरैशी को इसकी सूचना दी।

वह भी मौके पर पहुंचे और दोनों भाइयों ने चार पहिया वाहन से शव को श्मशानघाट पहुंचाया और विधि विधान से उसका अंतिम संस्कार कराया।

सुभारती कॉलेज ऑफ़ अलाइड एंड हेल्थकेयर में हुआ दीक्षारंभ का आयोजन

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के सुभारती कॉलेज ऑफ़ एलाइड एंड हेल्थकेयर ने महारानी लक्ष्मीबाई ऑडिटोरियम में 2025.26 शैक्षणिक सत्र के नए छात्रों का स्वागत करने के लिए दीक्षारंभ 2025 ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं को संस्थान की संस्कृतिए शैक्षणिक वातावरणए नियमों और समग्र विकास के अवसरों से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रजवल्लन के साथ हुईए जिसके बाद प्राचार्य प्रो. डॉ. पंकज किशोर मिश्रा द्वारा एक स्वागत भाषण दिया गया जिन्होंने छात्रों को शैक्षणिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने सफल करियर के निर्माण में अनुशासन ईमानदारी और नवाचार के महत्व को उजागर किया।

मेरठ में मुखिया गुर्जर और आकाश गुर्जर गिरफ्तार, बिना अनुमति गौरव यात्रा निकालने पर अड़े ; तनाव के हालात

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर आकाश गुर्जर ने मवाना में बड़ा महादेव मंदिर से तहसील तिराहा तक मंगलवार को यात्रा निकालने की अनुमति मांगी थी। मुखिया गुर्जर कमिश्नरी चौराहे से यात्रा निकालने की तैयारी कर रहे थे। विवाद की आशंका के चलते प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद गुर्जर समाज के लोग यात्रा निकालने पर अड़े थे।

यात्रा में भीड़ जुटाने के लिए जनसंपर्क किया जा रहा था। इसे लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया था। खुफिया तंत्र भी सक्रिय था। आकाश गुर्जर की तलाश में पुलिस लगी थी। जबकि मुखिया गुर्जर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्हें परीक्षितगढ़ थाने में दर्ज कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में गिरफ्तार कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई थी।

पुलिस ने मंगलवार को मवाना से आकाश गुर्जर को उनके तीन-चार समर्थकों के साथ गिरफ्तार कर लिया। मुखिया गुर्जर धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा चौधरी विश्वविद्यालय पर एकत्र कुछ लोगों को भी हिरासत में लिया गया है।

शिक्षा सत्र में विद्यालय बना समारोह स्थल

सुलतानपुर। कुड़वार ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर में मंगलवार को शिक्षा सत्र के दौरान विद्यालय परिसर में भाजपा मंडल अध्यक्ष की दादी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान विद्यालय के बच्चों से छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कराए गए।

विद्यालय परिसर में इस तरह के आयोजन को लेकर अभिभावकों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि शिक्षा के समय में बच्चों को अनुशासन और पाठ्यक्रम से जोड़ने की बजाय राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़े आयोजनों में लगाया जा रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है। मौके पर ग्राम प्रधान अनंतराम के साथ विद्यालय के शिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे। इस मामले पर जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) उपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि भगवानपुर प्राथमिक विद्यालय में एक पुण्य तिथि मनाए जाने की जानकारी मिली है। कुड़वार (बीईओ)रोजी सिंह से जांच कराई जा रही है।

ब्रेनवॉश कर भाई–बहन का कराया धर्मांतरण, बरेली में छांगुर गैंग जैसा मामला, सरगना समेत तीन गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में पुलिस ने धर्मांतरण कराने वाले गिरोह को पकड़ा है। अब्दुल मजीद नाम का शख्स इस गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर गुप्तचर इकाई इसे लेकर सक्रिय हो गई थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने भुता निवासी अब्दुल मजीद समेत तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। इस संबंध में एसपी साउथ प्रेसवार्ता कर खुलासा करेंगी।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा की पूछताछ में अब तक सामने आया कि अब्दुल मजीद के गिरोह में सलमान आरिफ व फहीम के साथ ही अन्य कई सदस्य शामिल हैं। इस गिरोह का नेटवर्क देशभर में फैला हुआ है। यह गिरोह लोगों का ब्रेनवॉश कर उनका धर्मांतरण करता है। इसका खुलासा तब हुआ, जब बरेली में एक परिवार इस गिरोह के चंगुल में फंसा।

शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र निवासी बृजपाल के परिवार का इसी गिरोह ने ब्रेनवॉश कर धर्म बदलवा दिया। गिरोह ने सबसे पहले बृजपाल का ब्रेनवॉश किया और उसकी शादी एक मुस्लिम लड़की से करा दी। इसके बाद बृजपाल की बहन का निकाह एक मुस्लिम युवक से कराया। एसपी साऊथ दोपहर ढाई बजे पुलिस लाइन सभागार में गिरोह का खुलासा करेंगी।

करवट बदलते टच हुई मुलायम चीज, बिस्तर में घुसा था 10 फीट लंबा अजगर, युवक की निकली चीख

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक चारपाई पर सो रहा था। इस दौरान उसेक बिस्तर में अजगर घुस गया और आरम से बिस्तर पर सो गया। करवट लेने के दौरान युवक को कुछ होने का एहसास हुआ। इस पर उसने टटोलकर कर देखा तो उसकी सांसे अटक गई। घबराया युवक तेजी के साथ चीखते हुए कमरे से बाहर की और भागा। चीख की आवाज सुन परिवार के सदस्य एकत्र हो गए। अजगर को बिस्तर पर देख हर कोई हैरान रहा गया। उन लोगों ने तुरंत ही वन विभाग को सुचना दी।

सोते युवक के बिस्तर में घुसा अजगर

मामला एत्मादपुर घड़ी खंजर गांव की है। यहां का रहने वाले मनीष त्यागी रविवार की रात खाना खाकर बिस्तर पर सोनो चले गया। इस दौरान करीब 11 बजे करवट बदलते समये उसे बिस्तर में कुछ मुलायम चीज का एहसास हुआ। उसने चेक किया तो उसके पैरो तले जमीन निकल गई। मनीष के साथ बिस्तर पर एक 10 फीट लंबा और भारी भरकम अजगर आराम फरमा रहा था। उसके अहसास भर से मनीष की हालत खराब हो गई थी।

युवक ने तेजी के साथ उठकर लाइट जलाई और चीखते हुए कमरे से बाहर भागा। चीख की अवाज सुनकर परिवार और आस-पास के लोग उसके पास पहुंचे। इसके कुछ देर बाद अजगर बिस्तर से खिड़की पर जाकर बैठ गया। इसके बाद वन विभाग के लोगों को सुचना दी गई, लेकिन रात होने की वजह से वन विभाग की टीम ने आने से मना कर दिया।

नहीं आई वन विभाग की टीम

करीब दो घंटे की मस्कत के बाद ग्रामीणों ने अजगर को बेरे में बंद कर बंद कर दिया। सुबह 9 बजे के करीब तक वन विभाग की टीम नहीं आने की वजह से गांव वालों ने अजगर को पास के जंगल में लेजाकर छोड़ दिया। लोगों का कहना है कि गर्मी के चलते मनीष ने खिड़की खुली छोड़ दी थी। इसी रास्ते से अजगर कमरे में घुसा होगा और चारपाई पर चढ़ गया।

तीन बार बैठक रद्द, राशन दुकान चयन में लापरवाही

कुड़वार/सुलतानपुर। विकास खंड के ग्राम पंचायत परसीपुर में सरकारी राशन की दुकान के लिए स्वयं सहायता समूह के चयन का मामला विवादों में है। इस संबंध में तीन बार बैठक बुलाई गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया।

पहली बैठक 21 जुलाई 2025 को रखी गई थी। ग्राम प्रधान की अनुपस्थिति के कारण यह बैठक रद्द करनी पड़ी। इसके बाद 5 अगस्त को दूसरी बैठक हुई। इस बैठक में ग्राम प्रधान योगेंद्र तिवारी मौजूद थे। नोडल अधिकारियों ने एक स्वयं सहायता समूह का चयन किया। लेकिन विवाद तब खड़ा हुआ जब पता चला कि चयनित महिला का नाम पोर्टल पर दर्ज ही नहीं था। ग्रामवासियों के विरोध के बाद बीडीओ कुड़वार ने यह बैठक रद्द कर दी। उन्होंने नई बैठक का आदेश दिया। 25 अगस्त को तीसरी बैठक रखी गई। इस बार भी ग्राम प्रधान नहीं पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि बिना ग्राम प्रधान के कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता।

पीडीए पंचायत, कार्यकर्ताओं ने 2027 चुनाव को लेकर लिया संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। इसौली विधानसभा के कुड़वार ब्लॉक के सेक्टर नंबर 29 हाजीपट्टी में बूथ अध्यक्ष वकील अहमद खान भुट्टो की अध्यक्षता में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज़िला पंचायत सदस्य व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राम शंकर यादव रहे,जिन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।बैठक में कार्यकर्ताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट जाने का आह्वान किया गया। पंचायत में यह संकल्प लिया गया कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट कर आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीए के रहनुमा अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।कार्यकर्ताओं ने नारे के साथ संकल्प दोहराया न एक वोट छूटने पाए,न एक वोट कटने पाए।इस अवसर पर अख़तर खान प्रधान, अभिषेक यादव, अरबिद यादव, राम बरन कोरी, आरिफ खान, नसीम अहमद, नफ़ीस अहमद, बब्बू अहमद, जफ्फार, करमशेर, तौफ़ीक़ अहमद, डॉ. इस्लाम खान, सकील अहमद, कल्लू कोरी, जगत पाल, राम नारायन रैदास, अमन चौहान, अभय विश्वकर्मा सहित सभी बूथ प्रभारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार महाकुम्भ-2025 का किया शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज तीन दिवसीय रोजगार महाकुम्भ-2025 का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और रोजगार सृजन पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नव चयनित युवाओं को नियुक्ति-पत्र वितरित किए और रोजगार मिशन सोसाइटी के 'लोगो' का लोकार्पण, श्रम न्याय सेतु पोर्टल, औद्योगिक न्यायाधिकरण की वेबसाइट, ई-कोर्ट पोर्टल एवं अटल आवासीय विद्यालयों में इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा अपार ऊर्जा के स्रोत हैं और उन्होंने अपनी प्रतिभा एवं सामर्थ्य से औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रोजगार महाकुम्भ-2025 के माध्यम से उद्योग और युवा एक साथ जुड़ रहे हैं, जिससे युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्राप्त हो सके।उन्होंने बताया कि प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम

उद्यम (MSME) क्षेत्र में 96 लाख इकाइयों को पुनर्जीवित कर करोड़ों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। कोरोना काल में इन इकाइयों के माध्यम से प्रवासी मजदूरों और श्रमिकों को रोजगार सुनिश्चित किया गया। प्रदेश में पहली बार MSME इकाइयों को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा कवर प्रदान किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि परंपरागत उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान और पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से बढ़ई, राजमिस्त्री, सुनार, कुम्हार, मोची, नाई आदि कारीगरों को प्रशिक्षण, ऋण और टूलकिट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी तरह मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत अब तक 70 हजार युवा स्वयं का उद्यम स्थापित कर चुके हैं।उन्होंने बताया कि प्रदेश में पुलिस में 2.19 लाख युवाओं की भर्ती हुई है, 1.56 लाख शिक्षकों की भर्ती पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई है और पिछले आठ वर्षों में 8.5 लाख युवाओं को विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी दी गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है, जिससे उत्तर प्रदेश निवेश के लिए सबसे बेहतर गंतव्य बन गया है। राज्य सरकार ने अब तक 33 से अधिक सेक्टोरियल पॉलिसीज तैयार की हैं और निवेशकों को 'निवेश मित्र' एवं 'निवेश सारथी' जैसे सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए गए हैं।

युवाओं की कौशल विकास और रोजगार सृजन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक टेक्नोलॉजी और ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित अनेक नए टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम, वर्कशॉप और लैब्स स्थापित किए जा रहे हैं। उन्हें हब एंड स्पोक मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षण का बेहतरीन मंच प्रदान किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के हितों पर भी जोर देते हुए कहा कि न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी और किसी कार्मिक के वेतन में कटौती नहीं होगी। श्रम न्याय सेतु पोर्टल के माध्यम से श्रमिकों के लिए पारदर्शी, त्वरित और ऑनलाइन न्याय प्रदान किया जाएगा।इसके अलावा, अटल आवासीय विद्यालयों को इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल से जोड़ा गया है, जिससे 18 हजार छात्रों को लॉजिंग, फूडिंग और निःशुल्क अत्याधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी तर्ज पर बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 57 इंटीग्रेटेड कैम्पस युक्त मुख्यमंत्री अभ्युदय और कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना की जा रही है।इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी, सलाहकार मुख्यमंत्री अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एम.के.एस. सुन्दरम, श्रम आयुक्त मार्कण्डेय शाही, रोजगार निदेशक नेहा प्रकाश और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रम एवं सेवायोजन से संबंधित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के युवाओं को कौशल, रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति–2025 की रूपरेखा पर की उच्चस्तरीय समीक्षा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025' पर विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह नीति आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार की गई है और इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है।मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से उभरता क्षेत्र है। वर्तमान में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने पिछले आठ वर्षों में औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है और अब समय आ गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भी उत्तर प्रदेश वैश्विक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाए।बैठक में नीति के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केन्द्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के साथ राज्य स्तर पर टॉप-अप इंसेंटिव, पूंजीगत निवेश पर सब्सिडी, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसी व्यवस्थाओं को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और युवाओं को प्राथमिकता देता है, तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने नीति के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि निवेशकों को एकल विंडो प्रणाली के माध्यम से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएँ। उद्योगों में रोजगार सृजन को वास्तविक आवश्यकता से जोड़ा जाएगा और कौशल विकास कार्यक्रम उसी के अनुरूप संचालित होंगे।बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्ष 2014-15 में देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन केवल 1.9 लाख करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने फरार वांछित अभियुक्त अजय सिंह रावत को धर दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक लंबे समय से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त अजय सिंह रावत को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी वारंट पर आधारित इस कार्रवाई में पुलिस की सतर्कता और जांच क्षमता की पुष्टि हुई।अजय सिंह रावत, पुत्र बृजलाल रावत, निवासी बाकन खेड़ा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, उम्र लगभग 25 वर्ष, वाद संख्या 112671/22, अपराध संख्या 29/22, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहे थे। लंबे समय तक न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होने के कारण उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने लगातार तलाश और निगरानी रखी।जानकारी के अनुसार, उपनिरीक्षक हिमांचल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर अभियुक्त को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया।थाना प्रभारी ने बताया कि अजय सिंह रावत की गिरफ्तारी से इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे वांछित अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी अपराधी को कानून से परे नहीं रहने दिया जाएगा।इस कार्रवाई में सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस टीम और दक्षिणी जोन लखनऊ के अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस ने जनता से अपील की है कि अगर किसी को अन्य अपराधियों की जानकारी हो तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें।

सुशांत गोल्फ सिटी थाने पर हंगामा, सैकड़ों लोग धरने पर बैठे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में बीते सोमवार को नगर निगम टीम पर ग्रामीणों के साथ मारपीट और अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगा है। इसी मामले में मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर मंगलवार को सैकड़ों लोग और किसान यूनियन के साथ सुशांत गोल्फ सिटी थाने के बाहर धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की। मिर्जापुर गांव की रहने वाली माया देवी पत्नी राम मिलन ने तहरीर में आरोप लगाया है कि सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे वह और उनके बीमार पति अपने पैतृक हाते पर जानवरों की देखरेख कर रहे थे। इसी दौरान नगर निगम लखनऊ के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव, लेखपाल सुभाष कौशल, एचसीएल चौकी प्रभारी हिमांशु तिवारी व सिपाही आनंद यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने कब्जा हटाने की बात कहते हुए परिवार को तत्काल हट जाने का आदेश दिया। पीड़िता ने अपने बीमार पति की हालत का हवाला देकर कुछ समय मांगा तो नायब तहसीलदार आगबबूला हो गए और जातिसूचक गालियां देने लगे। विरोध करने पर तहसीलदार ने राम मिलन को थप्पड़ मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए और उनके कान से खून बहने लगा। आरोप है कि इसके बाद चौकी प्रभारी और सिपाही ने भी मारपीट करते हुए उन्हें उठाकर पटक दिया, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई। मामले में बीच-बचाव करने आई पड़ोसन प्रेमा देवी से भी अभद्रता और छेड़छाड़ की गई। लेखपाल द्वारा गला दबाए जाने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों के जुटने पर सभी अधिकारी मौके से भाग निकले। इसके बाद घायल राम मिलन को पार्षद की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा सीएचसी गोसाईगंज ले जाया गया, जहाँ से हालत नाजुक देख सिविल अस्पताल और फिर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सैकड़ों लोग सुशांत गोल्फ सिटी थाने पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। धरने की सूचना मिलने के बाद डीसीपी साउथ के आदेश पर आरोपित नायाब तहसीलदार समेत अन्य अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

संक्षेप

घर में चोरी करने वाले शातिर चोर को विकासनगर पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन, थाना विकासनगर की टीम ने घर में घुसकर चोरी करने वाले शातिर चोर को मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। आरोपी आकाश त्रिपाठी, उम्र 28 वर्ष, पुत्र पप्पू त्रिपाठी, निवासी विकासनगर लखनऊ एवं मूल निवासी ग्राम तिनहरी थाना मधुबन जिला मऊ को आर्या चौराहा सेक्टर 11 विकासनगर से घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन बैगनार कार संख्या UP32JN6291 के साथ पकड़ा गया।जानकारी के अनुसार, 24 अगस्त 2025 को शिकायतकर्ता श्रीमती उमा पाण्डेय पत्नी आर0डी0 पाण्डेय निवासी सेक्टर-6 विकासनगर ने अपने घर में चोरी होने की लिखित सूचना थाना विकासनगर में दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लगभग 127 सीसीटीवी फुटेज की जाँच की और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आकाश त्रिपाठी के कब्जे से चोरी का माल बरामद हुआ, जिसमें एक अदद सफेद धातु की कटोरी, तीन पायल, दो टुकड़े पायल सफेद धातु, 3000 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड शामिल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 305(a)/331(4)/317(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया।मौके पर पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पहले मकान का रैकी किया और ताला तोड़कर चोरी की।

खाद की किल्लत को लेकर समाजवादी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने विधानसभा परिसर पर किया धरना प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज समाजवादी पार्टी के विभिन्न युवा संगठनों के नौजवान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार में किसानों को हो रही खाद की किल्लत के विरोध में विधानसभा परिसर पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि भाजपा सरकार में किसान सबसे अधिक परेशान हैं। उन्हें न तो पर्याप्त खाद मिल रही है और न ही उनकी फसलों का उचित मूल्य। कार्यकर्ताओं ने कहा कि खाद की कालाबाजारी और भयंकर किल्लत के कारण किसानों को लाइन में घंटों खड़ा होना पड़ रहा है, और खाद की प्रतीक्षा में महिलाओं समेत कई लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है।धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर इको गार्डन ले जाकर रोक लिया।

नाका पुलिस ने एक्टीवा स्कूटी चोरी करने वाले शातिर चोर को धर दबोचा, स्कूटी बरामद

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पश्चिमी जोन अंतर्गत नाका थाना पुलिस ने मंगलवार को एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसकी चोरी की हुई एक्टीवा स्कूटी बरामद करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान परेश कुमार पुत्र सुरेश भाई सोनी, निवासी ए 401, रेवा दर्शन, शुक्लतीर्थ, जिला भरूच, गुजरात, उम्र 35 वर्ष के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, 26 अगस्त को वादी अश्वनी कुमार पांडेय ने थाना नाका में लिखित तहरीर देकर बताया कि उनकी स्कूटी (UP 32 HW 3444) चोरी हो गई है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर नाका चौराहा के पास आरोपी को धर दबोचा। जांच में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल की।पुलिस ने चोरी की गई एक्टीवा स्कूटी को बरामद कर उसे विधिक कार्रवाई के तहत कब्जे में ले लिया। इसके साथ ही मुकदमा संख्या 159/2025 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में अग्रिम कार्रवाई की गई।नाका थाना प्रभारी श्रीकान्त राय ने बताया कि टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के दौरान पूरी सावधानी और कानून का पालन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी को भी कानून से ऊपर नहीं रहने दिया जाएगा।इस गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक अंजनी तिवारी और कांस्टेबल अंकित कुमार की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने घटना को तेजी से सुलझाने में पुलिस की महत्वपूर्ण मदद की।

हसनगंज पुलिस की बड़ी कामयाबी, डकैती के वांछित आरोपी मारूफ की गिरफ्तारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के हसनगंज थाना क्षेत्र में हुई चर्चित डकैती कांड के वांछित आरोपी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। यह सफलता पुलिस को मंगलवार को मिली, जब झूलेलाल पार्क ढलान नंबर-01 से फरार चल रहे आरोपी मारूफ को दबोच लिया गया। आरोपी पर वर्ष 2024 में हसनगंज थाना क्षेत्र में हुई बड़ी वारदात के बाद से फरार रहने का आरोप था और पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी।गौरतलब है कि 14 दिसंबर 2024 की रात हसनगंज क्षेत्र में पशुपालन विभाग के निदेशक प्रसिद्ध नारायण सिंह के घर में अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला था। बदमाशों ने घर में घुसकर उन्हें बंधक बना लिया और दो मोबाइल फोन, एक ब्रेसलेट, कमरे का ताला तोड़कर दो ब्रीफकेस तथा एक ट्रॉली बैग लूट ले गए थे। इस ट्रॉली बैग में करीब दो लाख रुपये नकद और कीमती जेवरात रखे हुए थे। इस वारदात ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे और पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया था। घटना के बाद थाना हसनगंज में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस ने तफ्तीश शुरू की।इस प्रकरण में नामजद और पहचान में आए कई आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। इनमें असफाक हुसैन, तारिक महमूद, मो. शीश उर्फ रिजवान, पवन जैसवार, उज्जवल सिंह, रोहित यादव उर्फ नेपाली और गुलफाम शामिल हैं। वहीं समी अहमद उर्फ राजा और अभिषेक सिंह ने बीते फरवरी में न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। लेकिन इस घटना का मुख्य आरोपी मारूफ अब तक फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। मंगलवार को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा और विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।गिरफ्तार आरोपी मारूफ पुत्र स्वर्गीय लल्ला, नई काशीराम कॉलोनी लौलाई थाना चिनहट का निवासी है और मूल रूप से गनेशपुर थाना रुपईडिहा, जनपद बहराइच का रहने वाला है। उसकी उम्र लगभग 27 वर्ष बताई जा रही है। मारूफ के खिलाफ हसनगंज की डकैती के अलावा थाना मड़ियांव में भी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है।हसनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शिशिर कुमार सिंह और प्रवीण कुमार सिंह की टीम ने यह गिरफ्तारी कर बड़ी सफलता हासिल की।

उपमुख्यमंत्री के प्रयास से उत्तर प्रदेश में बेघरों का सपना हुआ साकार: मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में विशेष प्रगति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन और सक्रिय नेतृत्व में प्रदेश में बेघरों को उनका अपना पक्का घर देने के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक 36.56 लाख से अधिक आवासों का वितरण किया जा चुका है। इसके साथ ही, जिनका नाम इस योजना की पूर्व सूची में किसी कारणवश शामिल नहीं था, उनके लिए 2018 में मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की शुरुआत की गई। उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, पति के मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिलाओं (आयु 18 से 50 वर्ष) को भी प्राथमिकता दी गई है।केशव प्रसाद मौर्य के प्रयासों के तहत दिव्यांगजन भी योजना की प्राथमिकता श्रेणी में शामिल किए गए और उन्हें बड़े पैमाने पर आवास आवंटित किए गए हैं।

गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने पकड़े शातिर चोर, भारी मात्रा में आभूषण और वाहन बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस ने चोरी की घटनाओं में लिप्त दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आनंद मौर्या निवासी बाराबंकी और बबलू कुमार निवासी एटा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषणों का बड़ा जखीरा, एक स्कूटी और अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है।घटना का खुलासा तब हुआ जब 18 अगस्त को क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात की रिपोर्ट थाने में दर्ज की गई थी। पीड़ित के घर से अज्ञात चोर सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर ले गए थे। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अभय कुमार सिंह को दी गई। जांच के दौरान 25 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल आरोपी खरगापुर अंडरपास, हिमालयन तिराहे के पास चोरी का माल आपस में बांट रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने न केवल खरगापुर की चोरी, बल्कि विवेकखंड, गोमतीनगर क्षेत्र में हुई एक अन्य बड़ी चोरी को भी स्वीकार कर लिया। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि दोनों आरोपियों ने रात में घर का ताला तोड़कर कीमती सामान पार किया था। दोनों मामलों में बरामद आभूषणों की शिनाख्त कर ली गई है।पुलिस द्वारा बरामद किए गए आभूषणों में सोने की चेन, अंगूठियां, झुमके, मंगलसूत्र और चांदी की पायल सहित कई गहने शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में किया राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन, केंद्रीय मंत्री ने दिए दिशा–निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में अपशिष्ट निस्तारण एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान की वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश में चल रही स्वच्छता गतिविधियों, उपलब्धियों और नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।श्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश में स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना लागू की गई है। नगर निकायों के सहयोग से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा निस्तारण, सीवेज ट्रीटमेंट और स्वच्छता पखवाड़ा जैसे कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर 2025 तक प्रदेश में

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।विगत वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके दौरान उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वच्छता घटक के अंतर्गत 155 घंटे महासफाई अभियान चलाया गया और लगभग एक लाख ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर 19 लाख से अधिक नागरिकों ने स्वच्छता में भाग लिया। साथ ही सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, वेस्ट टू आर्ट इंस्टॉलेशन, स्वच्छ फूड स्ट्रीट, स्वच्छ भारत कल्चरल फैस्ट और एक पेड़ मां के नाम अभियान में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया।श्री शर्मा ने बताया कि कई नगरों में दशकों पुराने कूड़े के ढेरों को हटाकर पार्क और प्रेरणास्थल तैयार किए गए हैं। लिगेसी वेस्ट प्रोसेसिंग और मेटल रिकवरी के उपरांत निकले मटेरियल से वेस्ट टू वंडर पार्क बनाए गए। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में लखनऊ ने तीसरा, आगरा दसवां, गाजियाबाद ग्यारहवां, प्रयागराज बारहवां, कानपुर तेरहवां, वाराणसी सत्रहवां, मेरठ तेइसवां और अलीगढ़ छब्बीसवां स्थान प्राप्त किया।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एक लाख से अधिक गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स चिन्हित कर उन्हें साफ कर पार्क और बगीचे बनाए गए। लखनऊ में प्रतिदिन निकलने वाले दो हजार टन कूड़े की प्रोसेसिंग के लिए तीन यूनिट कार्यरत हैं, जिससे शहर दैनिक स्तर पर जीरो वेस्ट नगर बन गया है।केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बैठक में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की सफलता के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी राज्यों और नगर निकायों को निर्देश दिए कि आगामी स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के रूप में मनाया जाए और अपशिष्ट प्रबंधन एवं जनजागरूकता पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शहरों को कचरा मुक्त और स्वच्छ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और नवाचार का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा।बैठक में सभी राज्यों के नगर विकास मंत्री, निदेशक नगरीय निकाय अनुज झा, अपर निदेशक रितु सुहास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने शुक्रवार को शांति व्यवस्था भंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमित रावत पुत्र कन्धई लाल, निवासी ग्राम बुद्धखेडा, उम्र 28 वर्ष और दीपक यादव पुत्र जय प्रकाश यादव, निवासी ग्राम रामापुर, थाना कुड़ेभार, जनपद सुल्तानपुर, उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, उ0नि0 हिमांचल सिंह मय पुलिस टीम सेवई क्षेत्र में चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी कर रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि ग्राम बुद्धखेडा मजरा बरौना में दो पक्षों के बीच विवाद हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि अमित रावत नशे की हालत में तेज आवाज में चिल्ला रहे थे और विवाद को और भड़काने का प्रयास कर रहे थे।

पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमित रावत को धारा 170 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।इसी क्रम में उ0नि0 महेश कुमार सिंह मय पुलिस टीम मातृ-शिशु चौराहा पर संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि दीपक यादव ढेले पर खाना बेचने वालों से पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद कर रहे थे और पुलिस के समझाने पर भी उग्र व्यवहार जारी रखा। पुलिस ने उन्हें धारा 170/126/135 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया और उनकी कार्रवाई विधिक प्रक्रिया के अनुसार की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में सतर्क है और ऐसे मामलों में तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है: एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गईं? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है।

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है!

राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है। यह काम चुनाव आयुक्त निर्देश देकर नहीं कराते हैं। बिहार में एसआईआर के पहले चरण के बाद जितनी शिकायतें सामने आई हैं उनको देख कर यही लग रहा है कि नीचे के कर्मचारियों की लापरवाही से कुछ गड़बड़ियां हुई हैं।

सिंधु की पुकार: संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

अर्जुन राम मेघवाल

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है। संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन—ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया। देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी।

मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी। हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं। इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी।

संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। राजस्थान से कांग्रेस सांसद श्री हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, ए.सी. गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है। इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है... लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण-दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं। ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं। जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब इंडस वाटर ट्रीटी: एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा था: मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे। इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्टÓ को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण... बताया। स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद, शांति और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति की चाहत में कांग्रेस नेतृत्व ने भारत की दीर्घकालिक जल सुरक्षा एवं समृद्धि के बजाय कूटनीतिक सुविधावाद को चुना। तुष्टिकरण की यह नीति कई मोर्चों पर राष्ट्रीय प्रगति के लिए हानिकारक साबित हुई। इस संधि से अपेक्षित मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक लाभ कभी भी साकार नहीं हुए।

अजब-गजब

महिलाओं के लिए बने 5 अजीबोगरीब कानून, जो सुनने में आपको लग सकते हैं मजाक

दुनियाभर में हर साल 26 अगस्त को वुमन इक्वलिटी डे यानी महिला समानता दिवस मनाया जाता है। अब कहने के लिए तो ये एक तरह का दिन है, लेकिन हमें आंदोलन उन लड़ाइयों के बारे में याद दिलाता है, जो महिलाओं ने अपने हक के लिए लड़ी हैं। वैसे आज भी इस दुनिया में महिलाओं से जुड़े कुछ अजीब और भेदभावपूर्ण कानून मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

दुनियाभर में हर साल 26 अगस्त को वुमन इक्वलिटी डे यानी महिला समानता दिवस मनाया जाता है। अब कहने के लिए तो ये एक तरह का दिन है, लेकिन हमें आंदोलन उन लड़ाइयों के बारे में याद दिलाता है, जो महिलाओं ने अपने हक के लिए लड़ी हैं। वैसे आज भी इस दुनिया में महिलाओं से जुड़े कुछ अजीब और भेदभावपूर्ण कानून मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

यमन देश के कानून में महिलाओं को 'आधा गवाह' माना जाता है। यानी कि यमन की अदालतें महिलाओं की गवाही को पूरा नहीं मानती। अगर इन्हें पुरुष का समर्थन ना मिले तो उनकी गवाही को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

महिलाओं को माना जाता है आधा गवाह यमन देश के कानून में महिलाओं को 'आधा गवाह' माना जाता है। यानी कि यमन की अदालतें महिलाओं की गवाही को पूरा नहीं मानती। अगर इन्हें पुरुष का समर्थन ना मिले तो उनकी गवाही को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

इजराइल में जेरूसलम पोस्ट के अनुसार , इजराइल में कानूनी अदालतें यहूदी कानून के आधार पर चलती हैं। यहां जो महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेने की कोशिश करती हैं, उन्हें पहले अपने पति से मंजूरी लेनी होती है।

पति की मर्जी के बिना नहीं मिलता तलाक इजराइल में जेरूसलम पोस्ट के अनुसार , इजराइल में कानूनी अदालतें यहूदी कानून के आधार पर चलती हैं। यहां जो महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेने की कोशिश करती हैं, उन्हें पहले अपने पति से मंजूरी लेनी होती है।

ईरान में मौजूद इस्लाम धर्म गुरुओं के मुताबिक, महिलाओं को पुरुषों के खेल से दूर रहना चाहिए। जिस कारण यहां की महिलाएं मैदान में जाकर फुटबॉल मैच नहीं देख सकतीं।

पुरुषों के खेल से दूर ईरान में मौजूद इस्लाम धर्म गुरुओं के मुताबिक, महिलाओं को पुरुषों के खेल से दूर रहना चाहिए। जिस कारण यहां की महिलाएं मैदान में जाकर फुटबॉल मैच नहीं देख सकतीं।

महिलाओं को कुछ खास नौकरियां (जैसे मेट्रो ड्राइवर, जहाज के डेक पर काम, खतरनाक फैक्ट्री जॉब्स) करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 2021 में इन पर लगे कई प्रतिबंध हटाए दिए गए हैं।

रूस महिलाओं को कुछ खास नौकरियां (जैसे मेट्रो ड्राइवर, जहाज के डेक पर काम, खतरनाक फैक्ट्री जॉब्स) करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 2021 में इन पर लगे कई प्रतिबंध हटाए दिए गए हैं। पाकिस्तान में महिलाओं को मशीनों को ठीक करने की इजाजत नहीं है। यहां कानून बनाने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि ये काम सिर्फ पुरुषों का है, इसलिए महिला को इससे दूर रहना चाहिए।

मशीन नहीं कर सकतीं ठीक पाकिस्तान में महिलाओं को मशीनों को ठीक करने की इजाजत नहीं है। यहां कानून बनाने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि ये काम सिर्फ पुरुषों का है, इसलिए महिला को इससे दूर रहना चाहिए।

ब्लॉग

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

ललित गर्ग

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है। रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-"अहिंसा परमो धर्मः"। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है। आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति-उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

तीन अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से मोबाइल, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, नगदी व ई-रिक्शा बरामद

बाराबंकी। पीड़िता द्वारा सूचना दी गई कि रेलवे स्टेशन से ऑटो पर तिवारीगंज जाते समय सफेदाबाद ओवर ब्रिज पर पहुंचने पर आटो चालक व उसके साथियों द्वारा छेड़खानी के सम्बन्ध में सूचना दी गई। वादिनी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 809/2025 धारा 74/309(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया। बरामदगी के आधार पर धारा 317(2)/3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। अभियुक्त अनिकेत उर्फ सौरभ ऑटो ड्राइवर है जिसके अन्य साथी अंशू कश्यप व लवकुश बेडिया भी साथ मौजूद थे। अभियुक्तगणों द्वारा के आस पास ई-रिक्शा ऑटो चलाया जाता है तथा अभियुक्तगण नशे व फिजूलखर्ची के आदी है। दिनांक 24.08.2025 को समय करीब रात्रि 8-9 बजे बाराबंकी रेलवे स्टेशन के पास सवारी का इंतजार कर रहा थे, तभी अकेली सवारी देखकर बाराबंकी रेलवे स्टेशन से एक महिला तिवारीगंज, लखनऊ जाने के लिए ई-रिक्शा पर बैठाया।

बारिश के बीच नाले में बह गई युवती, बचाने गए रिक्शा चालक की करंट से मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सोमवार की शाम दर्दनाक हादसा हुआ। यहां तेज बारिश के बाद पानी के बहाव में नाले में एक युवती बह गई। उसे बचाने गए रिक्शा चालक की करंट लगने से मौत हो गई। देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा, लेकिन युवती का पता नहीं चल सका। युवती की तलाश के लिए मंगलवार को NDRF की टीमें बुलाई गईं।

दरअसल, ये हादसा नगर कोतवाली क्षेत्र के मछलीशहर पड़ाव के पास हुआ। सोमवार को तेज बारिश के बाद जौनपुर में नालों में अत्यंत तेज गति से पानी बह रहा था। इसी दौरान रोड से जाते समय खुले नाले में एक युवती का पैर फिसल गया, जिससे वह देखते ही देखते नाले में बह गई।

बचाने गए रिक्शा चालक की हुई मौत

नाले में गिरी युवती को देखते ही वहां से रिक्शा लेकर जा रहे कुल्हनामऊ निवासी शिवा गौतम (26) उसे बचाने गया। करंट की चपेट में आने से उसकी भी मौत हो गई। आनन-फानन में जिला प्रशासन द्वारा राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। रिक्शा चालक को जिला अस्पताल भेजने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल पर डीएम-एसपी समेत जिले के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ। लेकिन मंगलवार की सुबह तक युवती का कोई पता नहीं चल सका। इस हृदयविदारक घटना के बाद जौनपुर के एसपी डॉ। कौस्तुभ पुलिस बल के साथ खुद राहत-बचाव में जुट गए। देर रात तक एसपी सिविल ड्रेस में टॉर्च लेकर खुद सीवर लाइन के होल में देखते रहे। युवती की तलाश के लिए सीवर लाइन के प्रत्येक होल को खोलकर उसके अंदर जाकर राहत और बचाव में जुटे लोगों ने ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

पहले दो बच्चों के बहने की मिली थी सूचना

घटना के बाद कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया था कि दो बच्चे नाले में बह गए थे और उन्हें बचाने गए ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। लेकिन पुलिस ने जब आसपास के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया तो पता चला कि एक युवती नाले में गिरी थी।

DM ने जांच टीम गठित की

इस हादसे के बाद जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ। दिनेश चंद्र सिंह ने जांच टीम गठित करके चौबीस घंटे के भीतर हादसे की जांच रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि हादसे के तुरंत बाद जिलाधिकारी ने दुःख जताते हुए कहा कि NDRF और SDRF की टीमों को बुलाने के लिए पत्र लिखेंगे।

क्या बोले ASP?

जौनपुर के ASP आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि इस हादसे में एक युवती नाले में बह गई। उसे बचाने गए ई-रिक्शा चालक की करंट लगने से मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। युवती की तलाश के लिए NDRF की टीम को बुलाया गया है। मंगलवार को फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया जाएगा।

एक लुटेरा गिरफ्तार, कब्जे से लूट की मंगलसूत्र, मोबाइल व मोटरसाइकिल बरामद

बाराबंकी। थाना हैदरगढ़ क्षेत्रान्तर्गत लक्ष्मनगढ़ नहर कोठी के पास एक महिला साइकिल से अपने भाई के साथ तहसील हैदरगढ़ जा रही थी तभी रास्ते में दो अज्ञात स्पलेण्डर बाइक (बिना नम्बर प्लेट) सवार व्यक्ति मोबाइल, मंगलसूत्र व कान की बाली छीनकर भाग गए थे। उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना हैदरगढ़ पर मु0अ0सं0 300/2025 धारा 309(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा घटना के सफल अनावरण, अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया व आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। इसी क्रम में थाना हैदरगढ़ पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स एवं डिजिटल डेटा व सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना का अनावरण करते हुए दिनांक 25.08.2025 को अभियुक्त रामबिहारी पुत्र थनई निवासी गौरी थाना लोनीकटरा जनपद बाराबंकी को दयालगंज रेगुलेटर के पास से गिरफ्तार किया गया।

महिला सशक्तिकरण एवं न्याय सुनिश्चित करने हेतु महिला आयोग की अध्यक्ष का जनपद भ्रमण

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ बबीता सिंह चौहान (राज्य मंत्री स्तर प्राप्त) दिनांक 28 अगस्त 2025, गुरुवार को जनपद का भ्रमण करेंगी। यह भ्रमण महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, उनके सशक्तिकरण तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत मा. अध्यक्ष प्रातः 10:00 बजे जिला महिला चिकित्सालय पहुंचेंगी, जहाँ ₹जागो री जागो₹ स्वयंसेवी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी तथा नवजात कन्याओं को बेबी किट एवं माताओं को फल वितरित करेंगी। इसके पश्चात 11:15 बजे सर्किट हाउस, बाराबंकी में विभिन्न विभागों—जैसे महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक कल्याण, कौशल विकास, पंचायती राज एवं मातृ-शिशु और परिवार कल्याण विभाग आदि द्वारा संचालित महिला केंद्रित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही, पुलिस अधीक्षक अथवा नामित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, महिला थानाध्यक्ष एवं संबंधित थानों के क्षेत्राधिकारियों के साथ जनपद में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा एवं महिला जनसुनवाई की जाएगी। इसके उपरांत दोपहर 14:50 बजे महिला बंदीगृह, बाराबंकी का निरीक्षण किया जाएगा। यह दौरा प्रदेश की महिलाओं की सामाजिक, मानसिक व भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके हित में संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करने तथा जनपद स्तर पर उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

शादीशुदा महिला के घर पहुंची सहेली, अंदर से लगा दी कुंडी, बोली- हम कर चुके शादी, अब साथ रहेंगे

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ससुराल में अकेली विवाहिता से मिलने उसकी महिला मित्र पहुंची। फिर दोनों ने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। शाम को जब परिवारजन खेत और काम से लौटे तो दरवाजा न खुलने पर अनहोनी की आशंका पर ग्रामीणों को एकत्र किया, तभी दरवाजा खुला तो विवाहिता के साथ खड़ी युवती ने कहा कि उन दोनों ने विवाह किया था और अब वह उसे लेने आई है अन्यथा यहीं उसके साथ रहेगी।

समलैंगिकता का मामला सामने आने पर गांव में यह प्रकरण आग की तरह फैल गया। मामला थाने पहुंचा, जहां से तीनों पक्षों को उनके अपने-अपने घर भेज दिया गया। हैदरगढ़ के एक गांव के युवक का विवाह 17 मई 2025 को एक गांव की युवती से हुआ था। 24 अगस्त

को युवक मजदूरी पर गया था और उसके पिता और मां सहित अन्य परिवारजन खेत गए हुए थे। शाम को जब सभी घर वापस पहुंचे तो अंदर से बंद दरवाजा नहीं खुला।

दोनों ने पहले ब्याह भी रचाया था

काफी प्रयास के दौरान वहां ग्रामीण एकत्र हो गए। अनहोनी की आशंका पर सभी दरवाजा तोड़ने की तैयारी करने लगे, जिसकी भनक लगते ही महिला ने दरवाजा खोल दिया। महिला ने जब दरवाजा खोला तो उसके साथ एक अन्य युवती थी, जिसने अपना परिचय देते हुए बताया कि वे दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं और दोनों ने पूर्व में ब्याह भी रचाया था। वह या तो वह उसके साथ उसके ससुराल में रहेगी अथवा उसे अपने साथ लेकर जाएगी।

पुलिस दंपती सहित युवती को कोतवाली ले गई

समलैंगिकता का यह ड्रामा देख गांव में भीड़ एकत्र हो गई। पीआरवी कुछ नहीं कर सकी तो थाने के दारोगा राकेश यादव पहुंचे। काफी देर तक माथापच्ची की। विवाहिता के परिवार वालों को बुलाया गया। युवती के परिवारजनों से संपर्क किया गया तो उन्होंने उससे कोई संबंध न होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया। मामला शांत न होने पर पुलिस दंपती सहित युवती को कोतवाली ले गई, जिसके बाद मामला शांत हुआ। पति-पत्नी और उस युवती को उनके अपने-अपने घर भेज दिया गया।

इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए सब- इंस्पेक्टर राकेश यादव ने बताया कि मामला समलैंगिकता का है। प्रभारी कोतवाल शिव अजोर मिश्र ने बताया कि फिलहाल सभी पक्षों को उनके घरों को भेज दिया गया है।

डीएम ने वेयर हाउस का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शशांक त्रिपाठी, जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी ने आज ई०वी०एम० एवं वी०वी०पैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम, वीवीपैट स्ट्रांगरूम और सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मौके पर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों में राजेन्द्र वर्मा, शहर अध्यक्ष, इंडियन नेशनल कांग्रेस, प्रीतम सिंह, जिला कोषाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी, आसिफ खान, जिला उपाध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी, प्रदीप पटेल, जिला महासचिव, बहुजन समाज पार्टी, मोहित राजदान, जिला प्रभारी, बहुजन समाज पार्टी, जुगराज सिंह, जिला अध्यक्ष, आम आदमी पार्टी ,अखिलेश वर्मा समाजवादी पार्टी तथा श्री संजय कुमार विश्वास, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, कमल किशोर, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, बाराबंकी उपस्थित थे।

इत्तू सा समझने की भूल न करना! मुर्गे की कुत्ते से हो गई फाइट, वीडियो में भागता दिखा डॉगी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के काजी टोला क्षेत्र में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिस देख सभी लोग हैरान रह गए। काजी टोला से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वीडियो में एक कुत्ता और मुर्गा आमने-सामने भिड़ते हुए नजर आ रहे हैं। मुर्गा कुत्ते को कड़ी टक्कर देता दिख रहा है। एक बार के लिए कुत्ता पीछे हट जाता है, लेकिन मुर्गा हार नहीं मान रहा है।

ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आमतौर पर मुर्गियां कुत्तों से डरती हैं, लेकिन कहा जाता है कि मुर्गे कुत्तों से नहीं डरते और वायरल वीडियो में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहां मुर्गा कुत्ते के सामने अड़ा रहा। वह कुत्ते से मुकाबले के लिए कई बार उसकी तरफ बढ़ता है। हालांकि, कुत्ता भी उसकी तरफ मुंह फैलाकर बढ़ता है,

लेकिन फिर पीछे हट जाता है।

काजी टोला क्षेत्र में सोमवार को ये वीडियो सामने आया, जिसके बाद ये सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने इसे खूब शेयर किया। एक आवारा कुत्ते के साथ टकराव में मुर्गे ने ऐसी वीरता दिखाई कि लोग हैरान रह गए। इस आवारा कुत्ते ने सड़क पर घूम रहे मुर्गे पर हमला बोल दिया था। पहले तो ऐसा लगा कि कुत्ता मुर्गे पर हावी हो जाएगा, लेकिन अचानक मुर्गा जवाबी हमले पर उतर आया और उसने कुत्ते को कड़ी टक्कर दी।

आखिर तक लड़ता रहा मुर्गा

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी लोग कुत्ते और मुर्गे की ये लड़ाई देखकर दंग रह गए कि एक छोटा-सा मुर्गा कुत्ते को कैसे मात दे रहा है। वह बार-बार अपनी चोंच से कुत्ते पर हमला करता है। वायरल वीडियो एक मिनट से भी ज्यादा समय का है, जिसमें पूरे टाइम मुर्गा एक पल के लिए भी पीछे नहीं हटता और लगातार कुत्ते को टक्कर दे रहा होता है। आखिर में दोनों की लड़ाई खत्म करा दी जाती है और कुत्ता भाग जाता है।

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

बलरामपुर। जिला मजिस्ट्रेट पवन अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं शांति व्यवस्था की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इससे दौरान उन्होंने अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने महिला, बाल अपराधों एवं जघन्य आपराधिक मामलों में लोअर कोर्ट एवं सेशन कोर्ट में प्रभावी ढंग से पैरवी किए जाने एवं अपराधियों को सजा दिलाए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मुकदमों में निर्धारित तिथि पर ही गवाही कराया जाए। इस दौरान उन्होंने गैंगस्टर के केसों की भी विस्तृत समीक्षा की एवं आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वन विभाग के मुकदमों, खाद्य विभाग के मुकदमों में भी प्रभावी पैरवी के किए जाने का निर्देश संबंधित को दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार,समस्त एसडीएम अभियोजन अधिकारी, शासकीय अधिवक्ता व अन्य संबंधित

'सहेली को मेरे साथ रखिए, नहीं तो मैं...' जिद पर अड़ गई बहू तो ससुराल में मचा बवाल, क्या है कहानी?

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में दो युवतियों ने आपस में शादी कर ली। एक युवती दूसरी के घर पहुंची और दोनों ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया। जब परिजन ने उनसे दरवाजा खोलने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि वह दोनों शादी कर चुकी हैं और अब वह साथ ही रहेंगी। ये मामला बाराबंकी के हैदरगढ़ से सामने आया है, जहां दोनों में से एक लड़की पहले से ही शादीशुदा है, जिसके घर दूसरी पहुंची थी।

हैदरगढ़ में एक शादीशुदा युवती के ससुराल में उसकी दोस्त से मिलने के लिए पहुंची। युवती के ससुराल वाले खेत पर गए हुए थे। आकर देखा तो दोनों कमरे के अंदर बंद मिलीं। हैदरगढ़ के एक गांव की युवक की शादी इसी साल 17 मई को दोनों में से एक युवती के साथ हुई थी। 24

अगस्त को जब युवती का पति मजदूरी पर गया और सास-ससुर समेत बाकी ससुराल वाले बाहर गए। तब युवती की दोस्त घर आई।

दोनों कर चुकी हैं पहले ही शादी

रविवार को जब शाम में युवती के ससुराल वाले वापस पहुंचे तो अंदर से बंद दरवाजा नहीं खुला। दरवाजा नहीं खुलने पर घर पर गांव वालों की भी भीड़ लग गई। अनहोनी की आशंका पर सभी दरवाजा तोड़ने की तैयारी करने लगे, जिसकी भनक लगते ही महिला ने दरवाजा खोल दिया। महिला ने जब दरवाजा खोला तो उसके साथ एक दूसरी युवती थी, जिसने ससुराल वालों को बताया कि वह दोनों एक-दूसरे को पसंद करती हैं और दोनों ने पहले ही शादी कर ली है।

साथ रहने की जिद पर अड़ी रहीं

शादीशुदा युवती ने ससुराल वालों से कहा कि या उसकी दोस्त उसके साथ रहेगी या फिर वह युवती के साथ चली जाएगी। मामला इतना बढ़ा की पुलिस तक बात पहुंच गई, जिसके बाद थाने के दारोगा राकेश यादव मौके पर पहुंचे। दारोगा ने भी दोनों को काफी देर तक समझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों साथ में रहने पर अड़ी रहीं। ऐसे में पुलिस ने सभी को उनके घर भेज दिया।

इसके बाद मामला शांत न होने पर पुलिस ने पहले से शादीशुदा युवती और उसके पति को अपने साथ ले गई। इसके बाद सबी को अपने-अपने घर भेज दिया गया। सब इंस्पेक्टर राकेश यादव ने बताया कि मामला हैदरगढ़ के गांव से सामने आया है, जहां दो युवतियों ने शादी करने की बात कही और साथ में रहने की जिद पर अड़ गईं। हालांकि, मामले को शांत कराकर सभी को उनके भेज दिया गया है।

'सास ने तेजाब विपिन को पकड़ाया, फिर...' निक्की हत्याकांड की एफआईआर कॉपी आई सामने, बहन कंचन ने प्वांइट टू प्वाइंट बताई उस रोज की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। यूपी में ग्रेटर नोएडा के चर्चिक निक्की हत्याकांड में दोनों ही पक्षों के लोग एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। निक्की के घर वालों का कहना है कि ससुरालियों ने उसे जिंदा जलाकर मार डाला। तो वहीं, विपिन के रिश्तेदारों का कहना है कि निक्की ने खुद सुसाइड किया है। इस मामले में आरोपी पति विपिन भाटी, जेठ रोहित, सास दयावती और ससुर सत्यवीर की गिरफ्तारी हुई है। कंचन ने चारों के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है। इस FIR में उसने वो सभी बातें बताई हैं जो घटना के वक्त हुई थीं।

दोनों बहनों की एक ही घर में शादी हुई थी। निक्की की शादी विपिन से तो कंचन की शादी रोहित भाटी से हुई थी। बड़ी बहन कंचन ने लगाए सास और देवर विपिन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। FIR के मुताबिक

घटना 21 अगस्त शाम 5 बजकर 30 मिनट की है। कंचन ने बताया- पहले विपिन ने निक्की को पीटा। फिर सास दयावती ने तेजाब विपिन को पकड़ाया। उसे निक्की पर डालकर आग लगा दी।

कंचन ने बताया- उस वक्त मैंने इन दोनों का विरोध भी किया। मगर मेरे साथ भी मारपीट की गई। मेरा पति रोहित और ससुर सत्यवीर भी वहीं थे। बहन के जल जाने के बाद पड़ोसियों की मदद से हमने उसे फोर्टिस के अस्पताल लेकर गए। निक्की 70 प्रतिशत तक जल चुकी थी। वहां से निक्की को सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। मगर मेरी बहन की मौत हो गई। मामले में BNS 103 (1), 115 (2), 61 (2) के तहत दर्ज मामला दर्ज किया गया। ससुरालियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

कंचन का नया वीडियो वायरल

वहीं दूसरी तरफ, कंचन का एक और वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें उसने कहा- मेरे पास सभी सबूत हैं। कई लोगों हमारे सपोर्ट में हैं तो कई लोग हमें ही गलत ठहरा रहे हैं। मैं सारे सबूत लोगों को दिखाऊंगी। मगर अभी निक्की का बेटा मेरे पास है। वो छोटा है और उसे फिलहाल संभालना बहुत जरूरी है। मैं अभी निक्की के बेटे का ध्यान रख रही हूं। हम लोग अभी काफी परेशान हैं। मगर जल्द ही मैं सारे सबूत दिखाऊंगी, ताकि जो लोग हमें गलत समझ रहे हैं उन्हें भी पता चला कि हम दोनों बहनों के साथ वो दरिंदे क्या-क्या करते थे।

विपिन का सपोर्ट कर रहे लोग

दरअसल, विपिन के पड़ोसियों का कहना है कि भाटी परिवार बेकसूर है। निक्की ने अपने आप खुद को आग के हवाले किया। उल्टा निक्की के ही परिवार को वो लोग गलत बता रहे हैं। एक पड़ोसी महिला ने कहा- मैं विपिन को तब से जानती हूं जब से वो पैदा हुआ है। शराब पीता था मगर ऐसा नहीं था कि पत्नी को मार ही डाले।

महिला ने कहा- निक्की की पिटाई का जो वीडियो वायरल हुआ है, वो दो साल पुराना है। पति-पत्नी के बीच झगड़ा तो होता ही रहता है। हमें बस इतना पता है कि जिस रोज ये वारदात हुई, उस दिन विपिन ने निक्की से पानी मांगा था। बस इसी बात को लेकर लड़ाई हुई थी। क्योंकि निक्की ने उसे पानी नहीं दिया था। एक अन्य पड़ोसी ने कहा- निक्की के घर वाले झूठ बोल रहे हैं। विपिन के परिवार में पैसों की कमी नहीं थी। स्कॉर्पियो उन्होंने खुद विपिन को दी थी और जब नाती हुआ तो बुलेट बाइक भी निक्की के पापा ने खुद मर्जी से दी।

'निक्की ने खुद आग लगाई'

पड़ोसी ने कहा- विपिन शराब पीता था और अगर उसने पीट भी दिया तो वो तो हर पति-पत्नी में होता ही है। मगर आग निक्की ने खुद लगाई। कंचन जो कुछ भी बोल रही है वो झूठ है। वो निक्की की बड़ी बहन थी। अगर निक्की को आग लगा भी रहे थे तो उसने उसे बचाने की कोशिश क्यों नहीं की? क्या वीडियो बनाना उसके लिए ज्यादा जरूरी था? इस वीडियो में कहीं भी नहीं दिखा रहा कि विपिन ने निक्की को आग लगाई है। वीडियो में खुद निक्की की बहन बोल रही है कि बाबू तूने ये क्या किया? यही सबूत है कि विपिन का इसमें कोई हाथ नहीं है।

'घटना के समय विपिन नीचे खड़ा था'

एक अन्य पड़ोसी युवक ने कहा- हम अक्सर विपिन के साथ रहते थे। उसने कभी भी घर में हो रहे किसी विवाद का जिक्र नहीं किया। वो अपने काम से मतलब रखता था। जिस दिन ये घटना हुई वो नीचे खड़ा था। जब हल्ला मचा कि निक्की ने आग लगा ली है तब वो भागकर ऊपर गया। इसका सीसीटीवी फुटेज भी हमारे पास है। वहीं, दो छोटे बच्चों ने भी कहा- विपिन हमारे बड़े भैया हैं। वो हमसे हंसी-मजाक करते थे। वो ऐसा कभी नहीं कर सकते।

'बहुओं को भी गलत नहीं बोलते हम'

पड़ोस में ही रहने वाली एक अन्य महिला ने कहा- विपिन की मां और पिता बहुत शरीफ हैं। चाहे तो पूरे गांव से पूछ लीजिए। हम दोनों बहुओं को भी गलत नहीं कहते। क्योंकि वो अच्छे से यहां रहती थीं। सबकी इज्जत करती थीं। मगर ये हत्या नहीं आत्महत्या है। सिर्फ एक तरफ से ही मामले को नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों तरफ से इस केस की जांच होनी चाहिए। विपिन का किसी लड़की से कोई चक्कर नहीं था। बस एक ही बुरी आदत थी, शराब पीने की।

मिलिट्री मेथड आफ स्लीपिंग : नींद न आने से हैं परेशान? अपनाएं मिलिट्री का तरीका, आएगी चैन की नींद

अच्छी और गहरी नींद न आने के कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है।

बिगड़ी जीवनशैली के कारण लोगों में अनिद्रा की शिकायत बढ़ रही है। कई लोगों को देर रात तक नींद नहीं आती। रात में लोगों की नींद बार बार खुल जाती है और इस कारण उन्हें बेचैनी होती रहती है। अच्छी और गहरी नींद न आने के कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। शारीरिक और मानसिक तौर पर लोग कमजोर होने लगते हैं। कम उम्र के लोगों से लेकर नौकरी पेशा लोग दिनभर के कामकाज के बाद भले ही थकान महसूस करते हैं लेकिन रात को जब बिस्तर पर सोने के लिए जाते हैं तो उनकी आंखों में नींद नहीं होती। हालांकि स्वस्थ रहने के कम से कम 8-9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। लेकिन अगर नींद न आए तो सेना के जवानों के तरीके अपना सकते हैं। सैन्य मेथड को अपनाकर अनिद्रा की शिकायत से बचा जा सकता है।

चेहरा धो लें

सोने से पहले हर दिन ठंडे पानी से चेहरा धो लेना चाहिए। इससे आप रिलैक्स महसूस करते हैं। चेहरा धोकर बिस्तर पर लेटने के बाद आपको जल्द ही नींद आ जाती है। सैन्यकर्मी सोने से पहले फेस वॉश या नहाकर सोते हैं।

फोन रखें दूर

अक्सर लोग बिस्तर पर लेटे लेटे फोन का इस्तेमाल करते हैं, ऐसा करने से नींद नहीं आती। अच्छी और गहरी नींद के लिए सोने से आधे घंटे पहले अपने फोन से दूरी बना लें। मन शांत होने पर कुछ मिनट में ही नींद आ जाएगी।

पैरों को आराम दें

बिस्तर पर सीधा होकर लेटें। पैरों को अच्छे से फैलाएं ताकि उन्हें आराम मिले। शरीर को ढीला छोड़ दें। ऐसा करने से शरीर को आराम मिलता है और आपको कुछ देर में ही नींद आने लगती है।

भोजन

अध्ययन के मुताबिक, सोने से कम से कम तीन घंटे पहले भोजन करना चाहिए। ऐसा करने से भोजन पच जाता है और नींद बेहतर आती है। भोजन के तुरंत बाद बिस्तर पर लेटने से शरीर भारी महसूस होता है और खाना पच नहीं पाता। इस कारण अनिद्रा की शिकायत होने लगती है, साथ ही पेट की समस्या भी होती है।

व्यायाम

भोजन के बाद और सोने से पहले योग या शारीरिक सक्रियता के लिए पैदल चलना, हल्का व्यायाम करना भी लाभकारी है। इससे भोजन अच्छे से पच जाता है और बिस्तर पर जाते ही नींद आने लगती है।

जीवनसाथी से नहीं, शादी से पहले खुद से हर लड़की को पूछने चाहिए ये पांच सवाल

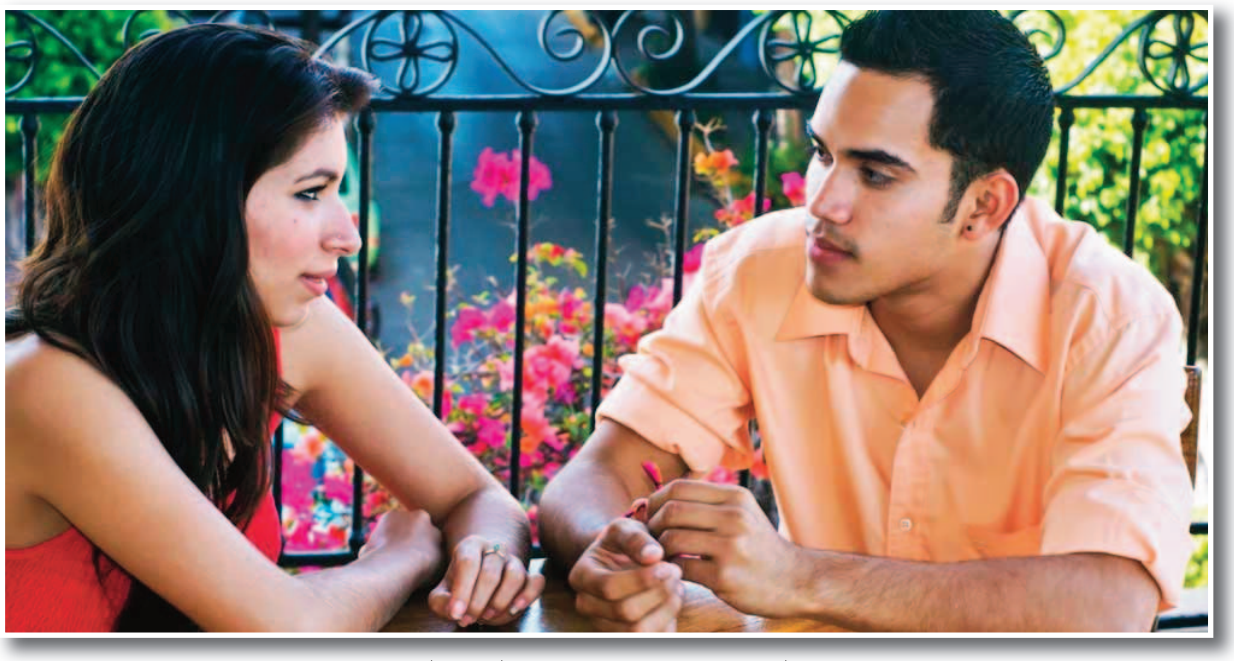

शादी हर लड़के या लड़की के जीवन का सबसे अहम दौर होता है। शादी से पहले और शादी के बाद के जीवन में बड़ा बदलाव होने की संभावना रहती है। ऐसे में हर व्यक्ति के लिए शादी करने का फैसला करना चुनौती की तरह है। शादी को लेकर मन में कई तरह के सवाल होते हैं। ये सवाल अपने भावी जीवनसाथी के लिए तो होते ही हैं, साथ ही खुद के लिए भी होते हैं। जैसे- क्या आप शादी के लिए तैयार हैं? क्या आप ने अपने लिए सही जीवनसाथी का चयन किया है? शादी से पहले लोग अपने जीवनसाथी, ससुराल वालों के बारे में जानना चाहते हैं ताकि भविष्य में उनका जीवन सहज बना रहे। इसलिए विवाह पूर्व ही कई सारे सवाल के उत्तर ले लेते हैं। लेकिन अपने जीवनसाथी या उसके परिवार या अन्य किसी से कोई भी सवाल करने से पहले हर लड़की को खुद से कुछ सवाल पूछने चाहिए। अगर आप की भी शादी होने वाली है, तो पहले अपने अंतर्मन से कुछ सवाल पूछ लें, ताकि भविष्य में कोई कठिनाई न आए और आपका वैवाहिक जीवन सुगम बना रहे।

जीवनभर साथ रह पाएंगे?

दुल्हन बनने से पहले लड़कियां खुद से सवाल करें कि जिस शख्स से आपकी शादी होने जा रही है क्या आप उनके साथ पूरा जीवन व्यतीत करना चाहती हैं? क्या आप उसे एक ऐसे करीबी के तौर पर देखती हैं, जिसके साथ उम्र की आखिरी सीमा तक रह सकती हैं?

कितना होगा बदलाव?

क्या मेरा जीवनसाथी मुझे किसी भी तरह से बदलने की इच्छा रखता है? क्या मेरे पार्टनर के प्रभाव में मैं शादी के बाद बदल सकती हूं? इस शादी से मेरे जीवन में कितना बदलाव आ सकता है?

बच्चों को लेकर क्या योजना है?

शादी के बाद अपने परिवार को बनाने या बच्चों को लेकर मेरे पार्टनर के क्या विचार हैं? बच्चे को लेकर क्या मेरे विचारों से जीवनसाथी के विचार मेल खाते हैं?

आर्थिक स्थिति कैसी है?

शादी के बाद जरूरत पड़ने पर क्या हम दोनों एक दूसरे को वित्तीय सहायता दे सकते हैं? खुद से सवाल करें कि क्या आप और जीवनसाथी दोनों ही व्यक्तिगत तौर पर आर्थिक तौर पर सिक्योर हैं? पांच साल बाद खुद को कहां देखना चाहती हैं? क्या पांच साल बाद पार्टनर के साथ बेहतर भविष्य देख पा रही हैं?

परिवारों संग रिश्ता कैसा है?

क्या आप दोनों एक दूसरे के परिवार को पसंद करते हैं या उनका सम्मान करते हैं? क्या आप दोनों का परिवार भी एक दूसरे के साथ घुलमिल कर रह सकता है? शादी के बाद आपको पति के साथ रहना या ससुराल वाले भी साथ रहेंगे?

दही खाने का सही समय क्या है और सेहत के लिए यह कितना है फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो दिन के समय में दही खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। खासकर, दोपहर का समय अधिक लाभदायक है। इससे पाचन तंत्र सही से काम करता है। साथ ही खाना सही से पचता है। इसके अलावा, शरीर को ऊर्जा की भी प्राप्ति होती है।

दही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। खासकर, पेट के लिए तो यह दवा समान है। इसके सेवन से पेट संबंधी विकारों का नाश होता है। आसान शब्दों में कहें तो कब्ज, दस्त, बदहजमी और अपच जैसी समस्या दूर होती है। साथ ही दही खाने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व कैल्शियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, विटामिन B6 और विटामिन B12, गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों में फायदेमंद होते हैं। इसके लिए डॉक्टर रोजाना दही खाने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि दही खाने का सही समय क्या है और सेहत के लिए कितना फायदेमंद है ?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो दिन के समय में दही खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। खासकर, दोपहर का समय अधिक लाभदायक है। इससे पाचन तंत्र सही से काम करता है। साथ ही खाना सही से पचता है। इसके अलावा, शरीर को ऊर्जा की भी प्राप्ति होती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए होते हैं, जो आंत के लिए फायदेमंद होते हैं। अगर रात के समय में दही खाते हैं, तो इससे रात की नींद में खलल पैदा होती है। साथ ही पाचन संबंधी विकार भी होते हैं। इसके लिए दोपहर के समय में दही खाएं।

कब न खाएं दही?

-खाली पेट दही का सेवन नहीं करें।

-रात में सोते समय स्नैक्स के साथ दही न खाएं।

-शाम के समय भी दही न खाएं।

दही के फायदे

दही पेट के लिए वरदान समान है। इसके सेवन से पेट से जुड़ी सभी परेशानियों से निजात मिलता है। कब्ज की समस्या दूर होती है। शरीर हायड्रेट रहता है। दही में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं। प्रोटीन की मौजूदगी से शरीर को ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसके लिए रोजाना दोपहर के समय में दही जरूर

28 या 84 दिन आखिर कौन सा रिचार्ज करवाना हो सकता है फायदे का सौदा? करवाने से पहले यहां जानें

हर टेलिकॉम कंपनियां अलग-अलग तरह के रिचार्ज देती है, लेकिन आपके लिए कौन सा बेस्ट हो सकता है? ये जानना जरूरी हो जाता है।

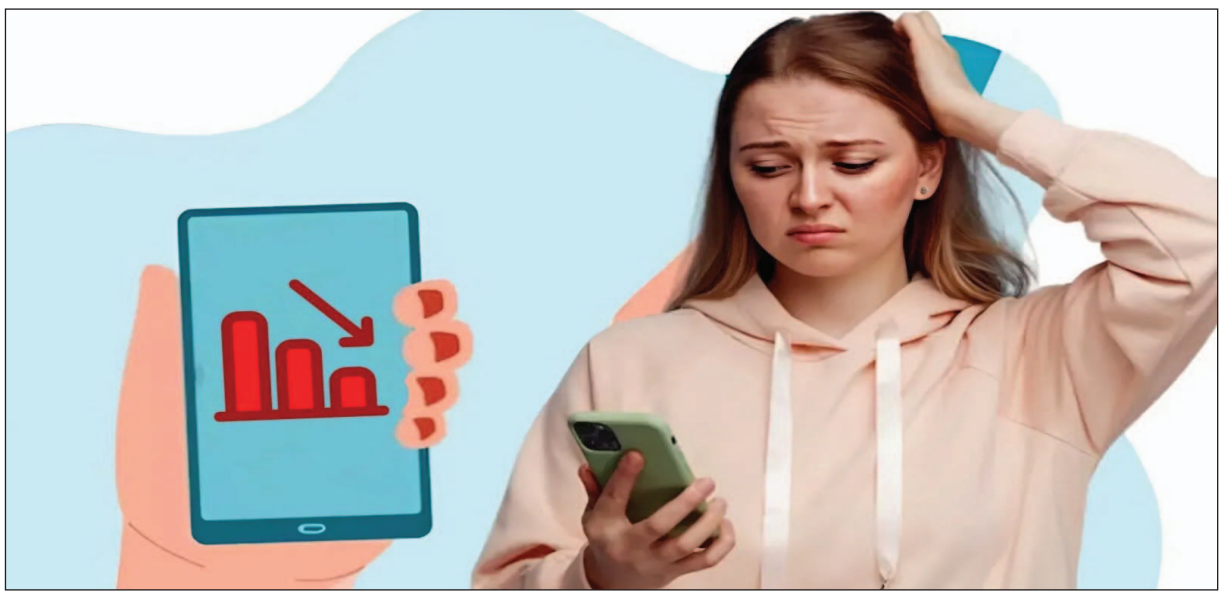

अगर यूं कहा जाए कि मोबाइल फोन आज की जरूरत है तो शायद इसमें किसी को को आपत्ति न हो? आप कहां हैं, किसी को आपसे बात करनी है, आप किसी मुसीबत में हैं, आपको कोई खुशी किसी से साझा करनी है, नेट बैंकिंग से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग जैसे अनेकों काम आप अपने मोबाइल से ही कर सकते हैं। बशर्ते आपके मोबाइल में कॉलिंग और इंटरनेट रिचार्ज हो, क्योंकि इनका होना इन सभी कामों के लिए जरूरी है।

टेलिकॉम कंपनियां कई अलग-अलग तरह के रिचार्ज प्लान लेकर आती है। लोग अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से रिचार्ज प्लान चुनते हैं भी हैं, लेकिन कई बार ये देखने में आता है कि लोग इस उलझन में रहते हैं कि उनके लिए 28 दिन वाला प्लान बेस्ट हो सकता है या फिर 84 दिन तक चलने वाले रिचार्ज प्लान सही रहेगा? दरअसल, ज्यादातर लोग इन दोनों प्लान में ही रिचार्ज करवाते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस उलझन में हैं तो आप यहां जान सकते हैं कि कौन सा प्लान बेहतर हो सकता है। अगली स्लाइड्स में आप इस बारे में जान सकते हैं...

कौन सा प्लान हो सकता है अच्छा?

अगर आप भी 28 और 84 दिन वाले प्लान के बीच उलझन में रहते हैं, तो जान लें कि जहां 28 दिन वाला मोबाइल रिचार्ज प्लान सीमित बजट और कम इस्तेमाल के लिए अच्छा हो सकता है। वहीं, दूसरी तरफ 84 दिन वाला प्लान उन लोगों के लिए बेस्ट हो सकता है जो बार-बार रिचार्ज नहीं करवाना चाहते और हर महीने वाले रिचार्ज पर कुछ पैसे भी बचाना चाहते हैं।

कब चुनें 28 दिन वाला प्लान?

अगर आप काफी अधिक इंटरनेट या कॉल का इस्तेमाल नहीं करते हैं और साथ ही चाहते हैं कि आपको मोबाइल रिचार्ज के लिए एक साथ अधिक पैसे न देने पड़ें, तो ऐसे में आपके लिए 28 दिन वाला मोबाइल रिचार्ज बेस्ट हो सकता है।

इस रिचार्ज को करवाने में आपको हर महीने पैसे तो देने पड़ते हैं, लेकिन 84 दिन वाले प्लान की तरह एक साथ अधिक पैसे नहीं देने होते। वहीं, 28 दिन वाला मोबाइल रिचार्ज प्लान उन लोगो के लिए भी सही हो सकता है जो रिचार्ज प्लान बार-बार बदलते रहते हैं और कई तरह के नए ऑफर्स का लाभ उठाना चाहते हैं। 28 दिन के रिचार्ज में आप ये लाभ ले सकते हैं।

84 दिन वाला प्लान कब ले सकते हैं?

बात अगर 84 दिन वाले मोबाइल रिचार्ज प्लान की करें, तो इस प्लान की खास बात ये होती है कि ये प्लान लंबे समय के लिए होते हैं और 28 दिन वाले रिचार्ज प्लान की तुलना में इस रिचार्ज में महीने की लागत कम आती है। इस प्लान में आपको कई ओटीटी प्लेटफॉर्म भी साथ में मिल सकते हैं।

जो लोग बार-बार रिचार्ज नहीं करवाने चाहते और पूरे रिचार्ज पर बचत कराना चाहते हैं, उनके लिए 84 दिन वाला प्लान सही हो सकता है। मोबाइल नंबर को सिर्फ एक्टिव रखने के लिए भी ये प्लान सही हो सकता है। इस रिचार्ज को करवाने पर प्रति दिन की लागत भी कम आती है और ऐसा करके आप कुछ पैसे बचा सकते हैं।

सरकारी खरीद का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म बना GeM पोर्टल, 15 लाख करोड़ का आंकड़ा पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने अपने लॉन्च के बाद से अब तक 15 लाख करोड़ रुपये के संचयी ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (GMV) का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी है।

GeM से किसे मिला लाभ

मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2016 में शुरू किए गए इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सरकारी खरीद प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता को नई ऊंचाई दी है। GeM के जरिए केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न एजेंसियां, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अन्य निकाय एक ही मंच पर सामान और सेवाओं की खरीद कर रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में इसने सरकारी खरीदारों को विक्रेताओं के एक व्यापक समुदाय से जोड़ने वाला एक मजबूत नेटवर्क बनाया है।

सार्वजनिक खरीद के तरीके को बदल दिया

GeM के सीईओ मिहिर कुमार ने कहा कि यह आंकड़ा हमारे हितधारकों द्वारा GeM पर रखे गए विश्वास का प्रमाण है। यह सफलता उन लाखों विक्रेताओं और खरीदारों की है जिन्होंने भारत में सार्वजनिक खरीद के तरीके को बदल दिया है। हमारा ध्यान समावेशिता को गहरा करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने पर बना रहेगा ताकि अवसर देश के हर कोने तक पहुंच सकें।

सरकारी खरीद में भागीदारी का बड़ा अवसर

प्लेटफॉर्म पर हर लेन-देन सिर्फ खरीदारी पूरी करने से कहीं ज्यादा के लिए डिजाइन किया गया है। यह जवाबदेही, दक्षता और सशक्तिकरण सुनिश्चित करता है। नीतियों और तकनीक के जरिए प्रवेश की बाधाओं को कम किया जाता है। GeM ने न केवल खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों को भी सरकारी खरीद में भागीदारी का बड़ा अवसर प्रदान किया है।

भारत में कागज और पेपरबोर्ड आयात में आठ फीसदी का उछाल, उद्योग पर चीन और आसियान का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अप्रैल-जून तिमाही में कागज और पेपरबोर्ड के आयात में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बढ़कर 486,000 टन हो गया है। भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए) ने यह जानकारी दी है। आईपीएमए ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कागज और पेपरबोर्ड का आयात 452,000 टन रहा।

चीन से आयात 28 प्रतिशत बढ़ा

तिमाही के दौरान चीन से आयात 28 प्रतिशत बढ़कर 143,000 टन हो गया। इससे भारत में कागज आयात के सबसे बड़े स्रोत के रूप में चीन की स्थिति मजबूत हो गई। संघ ने बताया कि आसियान देशों से आयात में वृद्धि दर्ज की गई। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के 78,000 टन से बढ़कर 92,000 टन हो गया।

आयात में वृद्धि घरेलू कागज उद्योग को नुकसान पहुंचा रही

आईपीएमए के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि, खासकर चीन और आसियान से घरेलू कागज उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचा रही है। क्षमता और स्थिरता संबंधी पहलों में महत्वपूर्ण निवेश के बावजूद, भारतीय कागज निर्माता, आत्यधिक आयात के कारण, कम उपयोग वाले संयंत्रों से जूझ रहे हैं।

वार्षिक कागज आयात 20 लाख टन के आंकड़े को पार कर चुका है

आईपीएमए ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का वार्षिक कागज आयात 20 लाख टन के आंकड़े को पार कर चुका है। इसका मूल्य 14,629 करोड़ रुपये है, यह पिछले चार वर्षों में दोगुना हो गया है। इसमें अकेले चीन का योगदान कुल आयात के एक-चौथाई से अधिक है।

वीपीबी पर न्यूनतम आयात मूल्य लागू

एक अधिसूचना के अनुसार, सस्ते आयात पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड पर न्यूनतम आयात मूल्य 67,220 रुपये प्रति टन लगाया है।इस उत्पाद का उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, एफएमसीजी उत्पादों, खाद्य और पेय पदार्थों, इलेक्ट्रॉनिक्स, उच्च श्रेणी के सौंदर्य प्रसाधनों, शराब, पुस्तक कवर और प्रकाशन की पैकेजिंग में किया जाता है।

ट्रंप बोले- अगर मैंने ये कार्ड खेला तो चीन बर्बाद हो जाएगा, भारत पर टैरिफ लागू होने से पहले ये बयान क्यों दिया?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ अपने संबंधों की तारीफ की. उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के संबंध बहुत अच्छे होने जा रहे हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन कार्ड हैं, लेकिन मैं इन्हें खेलना नहीं खेलना चाहता। अगर मैंने ऐसा किया तो चीन बर्बाद हो जाएगा।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से यह टिप्पणी की। उस वक्त साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ट्रंप के बगल में बैठे थे। ट्रंप ने संकेत दिया कि अगर चीन अमेरिका को मैग्नेट नहीं देता तो वे 200% टैरिफ लगा सकते हैं। दरअसल, मैग्नेट का इस्तेमाल ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस इंडस्ट्री में होता है।

भारत पर 27 अगस्त से 50% टैरिफ लागू होगा

ट्रंप ने अमेरिका में भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया है। ये टैरिफ 27 अगस्त से लागू होंगे। अमेरिका ने इससे जुड़ा ड्राफ्ट रिजॉल्यूशन भी जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि किन सामानों पर किस दर से टैरिफ लागू होगा। पहले भारत पर 25% टैरिफ लगना था, लेकिन भारत की ओर से रूसी तेल खरीद की वजह से 25% पेनाल्टी लगाई गई।

चीन भी रूसी तेल खरीदता का खरीददार

चीन रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। इसके बावजूद अमेरिका ने खिलाफ ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है। ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा था, रूस-यूक्रेन जंग से पहले चीन, रूस से 13% तेल खरीदता था, जो अब 16% हो गया है।

चीन ने तेल खरीद में थोड़ा ही इजाफा किया है, इसलिए उस पर पेनाल्टी नहीं लगाई गई है। बेसेन्ट ने दावा किया था कि युद्ध के दौरान भारत ने तेल व्यापार से भारी मुनाफा कमाया। पहले भारत का रूसी तेल व्यापार 1% से भी कम था, वहीं बाद में यह बढ़कर 42% हो गया।

ट्रंप बोले- भारत पर टैरिफ लगाने का आदेश सही

ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा, मैं यह मानता हूं कि भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाना उचित है, क्योंकि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस तेल खरीदता है।' हालांकि भारत ने रूस से सस्ते तेल की खरीद को देश और दुनिया के हित में बताया है।

भारत का कहना है कि उसने रूस से तेल खरीद कर वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें स्थिर रखी। ट्रंप ने चीन के लिए टैरिफ की समयसीमा 12 अगस्त तक तय की थी, जिसे 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है।

इस इंजीनियर से क्यों परेशान है पाकिस्तान की सरकार?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सरकार इन दिनों एक इंजीनियर से परेशान है. इनका नाम है मोहम्मद अली मिर्जा. मोहम्मद अली मिर्जा झेलम के मशहूर और विवादित धार्मिक विद्वान हैं. हाल ही में इन्हें झेलम पुलिस ने हिरासत में ले लिया है.

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मिर्जा की अकादमी को भी आधिकारिक आदेशों के तहत सील कर दिया गया है. ये कार्रवाई सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए 3 MPO मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर कानून के तहत की गई है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा की गिरफ्तारी जिला मजिस्ट्रेट यानी डिप्टी कमिश्नर के आदेश पर की गई. गिरफ्तारी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है. ये कार्रवाई प्रशासनिक उपायों के तहत की गई है, जिसमें 3 MPO कानून का इस्तेमाल किया गया. इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका पर हिरासत में लिया जा सकता है.

इंजीनियर से क्यों परेशान पाकिस्तान

पाकिस्तान इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा से इसलिए परेशान है क्योंकि वे धर्म पर अपने अलग विचार रखते हैं, जो कई बार विवादो में होते हैं. कभी वे अहमदियों पर बयान देकर विवाद खड़ा कर देते हैं, तो कभी मुस्लिम संतों पर की गई टिप्पणी को लेकर आलोचना झेलते हैं. उन पर नफरत फैलाने और तौहीन-ए-रसूल जैसे गंभीर मुकदमे भी दर्ज हो चुके हैं. दरअसल सरकार और धार्मिक तबके की सबसे बड़ी चिंता यह है कि मिर्ज़ा की ऑनलाइन लेक्चर्स सुनने वाली बड़ी फॉलोइंग है, जो उनकी सोच से प्रभावित हो सकती है और इससे समाज में

1000 KM में तबाही का अंदेशा... रूस को रोकने के लिए नाटो ने बनाया नया ब्लूप्रिंट, दिखने लगा असर

यूक्रेन, एजेंसी। युद्धविराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तमाम कोशिशें विफल होती दिख रही हैं। वार्ता के तीसरे चरण को लेकर अभी तक कोई हलचल नहीं है। इस बीच रूस और यूक्रेन दोनों तरफ से सर्दियों में विध्वंसक युद्ध की तैयारी की जा रही है। हालात ऐसे हैं कि यूरोप में परमाणु घमासान शुरू हो सकता है क्योंकि यूक्रेन ने दो परमाणु संयंत्रों पर हमला करके रूस का पारा बढ़ा दिया है। जेपोरिजिया और कुर्स्क एटमी प्लांट पर हमला किया गया। रेडिएशन रिसाव की आशंका बढ़ गई है। दरअसल, ये यूक्रेन का नया पैटर्न है। अब रूस को रोकने के लिए वो परमाणु विस्फोट का सहारा ले रहा है, जबकि यूक्रेन को ये समझना होगा कि एटमी बवंडर में पूरा यूरोप घिर सकता है। अभी रूस इन तीन पैटर्न से यूक्रेन में तबाही मचा रहा है। इसके अलावा जमीन पर उसके टैंक, आर्मर्ड व्हीकल और सैनिक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब युद्धविराम की संभावना बेहद कम हो चुकी है इसलिए रूस लगातार यूक्रेन का खात्मा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। रूस के आक्रामक तेवर देखते हुए कीव में कोहराम मच गया है। जेलेंस्की ने नाटो देशों से मदद की गुहार लगाई है। अब नाटो ने ब्लूप्रिंट बनाया है, जिससे रूस को फिलहाल आगे बढ़ने से रोका जा सके।

रूस के एनर्जी सेक्टर को यूक्रेन टारगेट कर रहा है। इसके अलावा क्रीमिया की घेराबंदी की जा रही है, जिससे रूस का फोकस क्रीमिया और एनर्जी सेक्टर पर फिक्स हो जाए, लेकिन इतना काफी नहीं है इसलिए ब्रिटेन ने जेलेंस्की को एक खुफिया प्लान बनाकर दिया है, जिसमें रूस के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले के लिए कहा है।

यही वजह है कि यूक्रेन के ड्रोन रूस के एटमी पावर प्लांट पर हमले के लिए तैयार हैं। बीती रात कई ठिकानों पर हमले हुए। हांलाकि रूस का दावा है।उसने यूक्रेन के हमलों को इंटरसेप्ट कर लिया है क्योंकि रूस ने डिफेंस सिस्टम पहले ही तैनात कर दिए थे। अलास्का-वाशिंगटन वार्ता विफल होने का मतलब है युद्ध का दूसरा चरण आरंभ होना। एक दिन पहले यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर रूस ने ताबड़तोड़ हमले किए। इसके बाद भी नॉनस्टॉप हमले किए जा रहे हैं। डोनेस्क से लेकर बूचा तक ड्रोन दागे जा रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा खतरा जेपोरिजिया और कुर्स्क न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर है, जहां यूक्रेन ने हमले किए वहां रेडियोएक्टिव रिसाव होने की खबर है। रूस की न्यूक एक्सपर्ट टीम कुर्स्क और जेपोरिजिया में रेडियोएक्टिव रिसाव की जांच में जुटी है।।

फिर कुर्स्क में भीषण जंग शुरू हुई

यूक्रेन के न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमले से रेडियोएक्टिव रिसाव का खतरा बढ़ गया है, जिससे एटमी तबाही का अंदेशा बढ़ गया है। आशंका है, जेपोरिजिया न्यूक्लियर पावर प्लांट पर अगर बड़ा हमला हुआ तो रिसाव कई स्तर पर होगा। 50 किलोमीटर तक सीवियर जोन रहेगा, जिसमें आने वाले लोग तुरंत मारे जा सकते हैं, जबकि इससे आगे 150 किमी। तक मॉडरेट जोन होगा, जिसमें कुछ देर बाद रेडिएशन पहुंचेगा तो वो लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं।

इससे आगे माइल्ड जोन होगा, जिसका दायरा 300 किमी तक हो सकता है। इसमें आने वाले लोगों पर भी असर होगा।जिसका असर काफी वक्त तक रह सकता है। तीनों जोन में 5 लाख से ज्यादा लोगों पर सीधा असर होगा, जबकि इसी तरह का हमला कुर्स्क पर भी किया गया है। जेपोरिजिया-कुर्स्क में दूरी 521 किलो मीटर है, लेकिन तबाही का दायरा 1 हजार किलोमीटर तक हो सकता है यानी यूरोप के कई देश इसमें आ सकते हैं।

कुर्स्क न्यूक्लियर प्लांट में हमले से रिसाव हुआ तो सीवियर जोन 30 किमी का हो सकता है, जिसमें आने वाले लोग तुरंत मारे जा सकते हैं। इससे आगे मॉडरेट जोन 120 किमी तक हो सकता है। उसमें आने वाले लोगों पर भी असर होगा, जबकि माइल्ड जोन का दायरा 250 किमी होगा। तीनों जोन में रेडिएशन 3 लाख लोगों के सीधा खतरा बन सकता है।

एक बार फिर से कुर्स्क में भीषण जंग शुरू हो गई है। यूक्रेनी सैनिक बॉर्डर से कुर्स्क में 50 किलोमीटर अंदर तक घुस गए हैं। पूरा इलाका उनके कब्जे में है। उनसे मुकाबले के लिए नॉर्थ कोरिया के सैनिकों ने मोर्चा संभाला हुआ है। फ्रंटलाइन पर पहुंचकर आमने-सामने की जंग हो रही है। इससे बौखलाए यूक्रेन ने कुर्स्क एटमी प्लांट पर ड्रोन स्ट्राइक की। ठीक उसी वक्त जेपोरिजिया परमाणु प्लांट पर भी हमला किया, जो अभी रूस के कब्जे में है। कुर्स्क में एटमी प्लांट का प्रोडक्शन 50 फीसदी कम हुआ है, जबकि जेपोरिजिया से भी रिसाव शुरू हो गया। अब एटमी तबाही का खतरा दो गुना हो गया है।

रूस में कौन-कौन हथियार मचा सकते हैं तबाही

इन दोनों न्यूक्लियर प्लांट पर हमले का मतलब है। रूस समेत। पूरे उत्तरी और पूर्वी यूरोप पर रेडियोएक्टिव विकिरण का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच यूक्रेन मिसाइलों से हमले ना कर दे।इसलिए अमेरिका ने रूसी धरती पर उसकी मिसाइलों के इस्तेमाल को बैन कर दिया है। इस बीच यूक्रेन ने दावा किया है कि अब रूसी धरती पर हो रही सभी हमलों में यूक्रेनी हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमने हथियारों का प्रोडक्शन कई गुना बढ़ा लिया है। यूक्रेन की इतनी बड़ी तैयारी से क्रेमलिन भी सोच में पड़ गया है। अब कहा जा रहा है कि यूक्रेन की मदद यूरोपीय देश कर रहे हैं। जो रणनीति भी बना रहे हैं। और बारूद भी भेज रहे हैं।

रूस में कौन-कौन से हथियार तबाही मचा सकते हैं, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन करने जा रहा है। पहला हथियार फ्लेमिंगो मिसाइल है, जिसकी रेज- 3000 किमी है। अक्टूबर तक 1000 फ्लेमिंगो यूक्रेन बनाने जा रहा है। दूसरा हथियार R-360 नेपच्यून मिसाइल है। इसकी रेंज- 1000 किमी है, जबकि स्टॉर्म शैडो की रेंज- 500 किमी है, जिससे यूक्रेन ने काफी हमले किए हैं। ATACMS की रेंज- 300 किमी है। इसका इस्तेमाल यूक्रेन करता रहा है। साथ ही TB-2 ड्रोन की रेंज- 300 किमी है। इसे यूक्रेन ने तुर्किये से लिया था।

रूस की यूरोपीय देशों को धमकी

2295 किमी की रूस-यूक्रेन की सीमा पर 3 साल से ज्यादा वक्त से युद्ध चल रहा है। युद्धविराम की कोशिश फेल होने से युद्ध और तेज हो गया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे जस्टिस चंद्रशेखर, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की सिफारिश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश के लिए जस्टिस श्री चंद्रशेखर के नाम की सिफारिश की है। यह निर्णय 25 अगस्त को हुई कॉलेजियम की बैठक में लिया गया। जस्टिस चंद्रशेखर फिलहाल बॉम्बे हाईकोर्ट में ही जज के तौर पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी पैतृक अदालत झारखंड हाईकोर्ट है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश ने की, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ भी शामिल थे। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर जस्टिस श्री चंद्रशेखर की नियुक्ति की सिफारिश रही।

छह अतिरिक्त जज बने स्थायी

इसके अलावा कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के छह अतिरिक्त जजों को स्थायी जज बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इन जजों के नाम हैं जस्टिस संजय आनंदराव देशमुख, जस्टिस वृशाली विजय जोशी, जस्टिस अभय जयरामजी मंत्री, जस्टिस श्याम छगनलाल चांदक, जस्टिस नीरज प्रदीप धोटे और जस्टिस सोमशेखर सुंदरसन। इनकी स्थायी नियुक्ति से बॉम्बे हाईकोर्ट की कार्यक्षमता और बढ़ेगी।

केरल हाईकोर्ट के जज भी हुए स्थायी

कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के साथ-साथ केरल हाईकोर्ट से जुड़ा एक बड़ा फैसला भी किया। यहां तीन अतिरिक्त जजों को स्थायी जज बनाए जाने की मंजूरी दी गई। इनमें जस्टिस जॉनसन जॉन, जस्टिस गोपीनाथन उन्नीथन गिरीश और जस्टिस चेल्लप्पन नादर प्रथीप कुमार शामिल हैं। इन नियुक्तियों से केरल हाईकोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे की गति तेज होने की उम्मीद है।

न्यायपालिका की पारदर्शिता पर जोर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के ये निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ाने के कदम माने जा रहे हैं। न्यायपालिका में मुख्य न्यायाधीश और स्थायी जजों की नियुक्ति न केवल संस्थान को मजबूती देती है, बल्कि न्याय पाने के इच्छुक आम नागरिकों के लिए भी राहत की उम्मीद बढ़ाती है। जस्टिस श्री चंद्रशेखर की सिफारिश के साथ बॉम्बे हाईकोर्ट को एक अनुभवी नेतृत्व मिलने जा रहा है।

मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण पर सरकार को दिया अल्टीमेटम, कहा– कल तक हो फैसला, नहीं तो आंदोलन तय

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने राज्य सरकार को दो टूक चेतावनी दी है कि 26 अगस्त तक यानि कल तक मराठा समाज को कानूनी दायरे में आरक्षण घोषित किया जाए, अन्यथा वह मुंबई कूच कर आजाद मैदान में आंदोलन शुरू करेंगे। जरांगे ने साफ किया है कि उनकी लड़ाई शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक होगी, लेकिन अगर मांग पूरी नहीं हुई तो यह बड़ा आंदोलन बनेगा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सकारात्मक निर्णय लेती है तो उन्हें मुंबई जाने की कोई जरूरत नहीं है।

जरांगे ने कहा कि वह 27 अगस्त को जालना जिले के अंटारवाली सराटी गांव से आंदोलन की शुरुआत करेंगे और 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा और उनका उद्देश्य केवल आरक्षण का हक दिलाना है। जरांगे ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जिद्दी रवैया अपनाकर जानबूझकर मराठा समाज को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने

हाल ही में 29 जातियों को ओबीसी वर्ग में शामिल किया है, लेकिन मराठा समाज को हक से वंचित रखा गया है।

ओबीसी में आरक्षण की मांग

जरांगे का कहना है कि मराठा समाज को कुणबी मानकर ओबीसी वर्ग में आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स जैसे हैदराबाद, बॉम्बे और सतारा गजट की अहमियत बताई, जिनमें मराठों को कुणबी दर्ज किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब अन्य जातियों को बिना पर्याप्त प्रमाण आरक्षण दिया गया, तो मराठों के पास 58 लाख रिकॉर्ड होने के बावजूद उन्हें क्यों वंचित रखा गया है। जरांगे ने स्पष्ट किया कि मराठा समाज 10 प्रतिशत का अलग कोटा नहीं चाहता, क्योंकि उसे कभी भी खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज को स्थायी आधार पर ओबीसी आरक्षण चाहिए।

आंदोलन की रणनीति

जरांगे ने बताया कि 27 अगस्त को मराठा समाज के लोग अंटारवाली सराटी से निकलेंगे। 28 अगस्त को वे शिवनेरी किले जाएंगे और फिर राजगुरुनगर, चाकण, लोणावला, पनवेल, वाशी और चेंबूर होते हुए मुंबई पहुंचेंगे। 29 अगस्त को सुबह 10 बजे आजाद मैदान से आंदोलन की शुरुआत होगी।

उन्होंने अपील की है कि शिक्षक, किसान, व्यापारी, बस कंडक्टर और अन्य वर्गों के लोग अपना काम छोड़कर आंदोलन में शामिल हों। साथ ही उन्होंने डॉक्टरों से भी दवाइयों और एंबुलेंस के साथ पहुंचने की अपील की। जरांगे ने कहा कि उन्होंने समाज से 5,000 पानी के टैंकर, गाड़ियां और वाहन लाने की अपील की है ताकि आंदोलनकारियों को किसी तरह की कठिनाई न हो।

'धन्य हूं आपने मुझे मां के रूप में चुना', रूपाली ने बेटे रुद्रांश को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने सोशल मीडिया हैंडल पर बेटे रुद्रांश को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही रुपाली ने बेटे के साथ एक मजेदार रील भी शेयर की है।

रूपाली गांगुली ने राजन शाही के शो 'अनुपमा' से जमकर लोकप्रियता हासिल की है। आज रुपाली के बेटे रुद्रांश का जन्मदिन है। इस खास मौके पर रूपाली ने अपने बेटे के साथ एक मस्ती भरा वीडियो शेयर किया और साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा।

रूपाली ने इंस्टाग्राम पर बेटे रुद्रांश के साथ एक क्यूट वीडियो शेयर किया। वह दोनों इस वीडियो में फिल्म 'ताल' के गाने 'कहीं आग लगे लग जावे...' पर डांस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ रूपाली ने बेटे रुद्रांश को जन्मदिन की बधाई देते हुए कैप्शन में लिखा, 'सुबह-सुबह तैयार होकर जब मम्मी इमोशनल ब्लैकमेल करके रील बनाती हैं, तो रूडी के चेहरे के हाव-भाव और मन की बात कुछ ऐसी होती है। मेरे बेटे शाइन को जन्मदिन की बधाई... इस प्यारी आत्मा को अपना बेटा पाकर मुझे गर्व है... मैं धन्य हूं कि तुमने मुझे अपनी मां चुना... ढेर सारा प्यार बेटा... हमेशा और हर पल। मेरे रुद्रांश का जन्मदिन।'

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

रूपाली और उनके बेटे रुद्रांश का यह लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सेलेब्स और फैंस मां-बेटे की जोड़ी पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। एक्ट्रेस अनिता राज ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो बेटा, ढेर सारा प्यार और खुशियां', एक्टर मेहुल निसार ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो रुद्रांश', हितेंद्र कपोपारा ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो जोजो', एक फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो..रुद्रांश बेटा भगवान तुम्हारा भला करे...तुम दोनों को मेरा सुपरस्टार प्यार..बहुत प्यारे..उफ्फ', एक फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो बेटा', एक फैन ने लिखा, 'सबसे बेस्ट मां और बेटे की जोड़ी।'

रूपाली गांगुली का करियर

रूपाली गांगुली टीवी शो 'अनुपमा' में नजर आ रही हैं। उनका यह शो अक्सर टीआरपी चार्ट में टॉप पर रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'अनुपमा' शो ने स्मृति ईरानी के शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' को भी पछाड़ दिया है, जो 29 जुलाई 2025 को लॉन्च हुआ था।

परम सुंदरी के म्यूजिक लॉन्च पर दिखी सिद्धार्थ-जान्हवी की केमिस्ट्री, श्रेया-सोनू का चला जादू

फिल्म 'परम सुंदरी' का आज मुंबई में म्यूजिक लॉन्च हुआ। इस दौरान श्रेया घोषाल और सोनू निगन ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा, तो वहीं जान्हवी और सिद्धार्थ ने रोमांटिक डांस से जीता दर्शकों का दिल।

इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'परम सुंदरी' का आज मुंबई में म्यूजिक लॉन्च हुआ। इस दौरान जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म के कई गानों पर हुक स्टेप्स से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान सोनू निगम और श्रेया घोषाल ने अपनी सुरीली आवाज से सभी का मनोरंजन किया। फिल्म के म्यूजिक लॉन्च के कई वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियोज पर फैंस लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं।

'परदेसिया' गाने पर किया डांस

'परम सुंदरी' के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर ने 'परदेसिया' गाने पर रोमांटिक डांस किया। इस दौरान सिद्धार्थ कैजुअल लुक में नजर आए, जबकि जान्हवी ने स्टाइलिश ड्रेस पहनी। दोनों की जोड़ी साथ में बेहद खूबसूरत दिखी। इस दौरान सोनू निगम ने 'परदेसिया' गाना गाकर सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

फैंस के कमेंट्स

सिद्धार्थ और जान्हवी की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद आ रही है। वह इन वायरल वीडियोज पर कमेंट कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'उफ्फ! सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की केमिस्ट्री', एक और फैन ने लिखा, 'यह जोड़ी कमाल की है', एक और फैन ने लिखा, 'वे एक साथ बहुत प्यारे लग रहे हैं, इस फिल्म को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।'

'भीगी साड़ी' में भी किया डांस

'परदेसिया' गाने के अलावा सिद्धार्थ और जान्हवी ने 'परम सुंदरी' के गाने 'भीगी साड़ी' पर भी डांस किया। दोनों ने 'भीगी साड़ी' के हुक स्टेप्स करके दर्शकों का दिल जीता। जान्हवी और सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री हर किसी को पसंद आई। 'परम सुंदरी' 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

पृथ्वीराज की फिल्म आई, नोबॉडी का पहला लुक, पहला पोस्टर रिलीज

साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन एक बार फिर दर्शकों के सामने एक दमदार किरदार के साथ लौट रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'आई, नोबॉडीÓ का पहला पोस्टर रिलीज किया गया। इस खास मौके को निर्देशक निसाम बशीर के जन्मदिन से जोड़कर और भी खास बनाया गया।

पहले लुक में पृथ्वीराज सुकुमारन का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। वो कैमरे की ओर पीठ करके खड़े हैं और उनके सामने भारी भीड़ दिखाई दे रही है। बैरिकेड्स और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी यह संकेत देती है कि फिल्म की कहानी सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर होगी। फैंस इस लुक को देखकर उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।

यह फिल्म पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और ई4 एक्सपेरिमेंट्स के बैनर तले बनाई जा रही है। प्रोड्यूसर सुप्रिया मेनन, मुकेश आर. मेहता और सीवी सारथी हैं। अप्रैल में पूजा और मुहूर्त शॉट के साथ शूटिंग की शुरुआत हुई थी। अब फर्स्ट लुक ने फिल्म को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा को और बढ़ा दिया है।

आई, नोबॉडीÓ में सिर्फ पृथ्वीराज ही नहीं बल्कि कई जाने-माने चेहरे दिखाई देंगे। इनमें पार्वती थिरुवोथु, अशोकन, मधुपाल, हक्किम शाजहान, लुकमान अवरन, गणपति और विजय फोर्ट शामिल हैं। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन कास्ट देखकर यह साफ है कि दर्शकों को एक पावरफुल परफॉर्मेंस से भरपूर फिल्म मिलने वाली है।

इसके अलावा, पृथ्वीराज जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायराÓ में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर खान भी लीड रोल में होंगी। अप्रैल में करीना ने फिल्म की टीम के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था कि वह प्रिथ्वीराज के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com